▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 206 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 22-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सभी भाषाएं समान रूप से समान की पात्र हैं : ममता

6 कैप्टन अरुण कुमार : ग्रेनेड की बौछार भी नहीं रोक सकी कदम, 2 आतंकवादियों को किया ढेर

7 आंख मूंदकर परंपराएं मानने में विश्वास नहीं : श्रेया जैन

फर्स्ट टेक

प्रधानमंत्री अमेरिका के सामने फिर 'समर्पण' करेंगे : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले की पृष्ठभूमि में शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यापार समझौते को लेकर दोबारा बातचीत नहीं कर सकते और फिर समर्पण कर देंगे। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कई देशों के खिलाफ लगाए गए व्यापक शुल्क वृद्धि के आदेशों को रद्द कर दिया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी रिश्ते

सियासत में बने संबंध,
सब छत्तीस हो जाते।
कभी दुश्मन के चरणों में,
नमन नत शीश हो जाते।
समय के गणित को समझे,
वो सत्ताधीश हो जाते।
बदलते नीति जो अपनी,
वही नीतीश हो जाते।।

देश से नक्सलवाद को 31 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च की समयसीमा तक देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। पूर्वोत्तर में पहली बार आयोजित 87वीं सीआरपीएफ दिवस परेड को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां पत्थरबाजी की घटनाओं की संख्या घटकर शून्य हो गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मणिपुर में जातीय हिंसा से निपटने और केवल तीन वर्षों में माओवादियों की कमर तोड़ने के लिए भी सीआरपीएफ को तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद देश के 12 राज्यों और कई जिलों में फैल चुका था, और जब केंद्र ने इस खतरे को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया, तो सीआरपीएफ और कोबरा बल के जवानों ने इस प्रयास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गृह मंत्री ने उल्लेख किया कि इतना विशाल, जटिल और कठिन कार्य महज तीन वर्षों में पूरा कर लिया गया। उन्होंने कहा, ''सीआरपीएफ कर्मियों की बदौलत हम विश्वासपूर्वक कह सकते हैं कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा।''

गृह मंत्री ने दुर्गम भूभाग में भीषण गर्मी के बीच छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुटा पहाड़ियों में 21 दिनों के 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के लिए सीआरपीएफ की प्रशंसा की, जिसमें अप्रैल-मई 2025 में 31 नक्सली मारे गए थे। उन्होंने कहा कि असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए, सीआरपीएफ के जवान अत्यधिक उच्च तापमान से तपती पथरीली पहाड़ियों पर उन 21 दिन के अभियान के दौरान एक इंच भी पीछे नहीं हटे और अंततः नक्सलियों के रणनीतिक अड्डे को नष्ट कर दिया।

शाह ने कहा कि सीआरपीएफ और कोबरा बल ने देश को लाल आतंक से मुक्त कराने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि शनिवार को सीआरपीएफ के 14 जवानों को वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया, पांच जवानों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक मिला और बल की पांच बटालियन को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदकों से सम्मानित किया गया।

नए आयात शुल्क पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा,

भारत के लिए शुल्क दर घटकर 10 प्रतिशत हुई

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा देश में आयातित वस्तुओं पर नया वैश्विक शुल्क लगाए जाने की घोषणा के बाद भारत पर अब 18 प्रतिशत के बजाय 10 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लागू होगा। 'बुनियादी अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं के समाधान के लिए अस्थायी आयात अधिभार लगाना' शीर्षक वाली एक घोषणा में ट्रंप ने कहा कि वह 150 दिनों की अवधि के लिए अमेरिका में आयातित वस्तुओं पर मूल्य के आधार पर 10 प्रतिशत अस्थायी आयात अधिभार लगा रहे हैं, जो 24 फरवरी से प्रभावी होगा। दुनियाभर के देशों पर इस नए 10 प्रतिशत शुल्क के लागू होने के साथ अमेरिका में आयातित भारतीय वस्तुओं पर अब वह 18 प्रतिशत शुल्क लागू नहीं होगा।

सहज स्मृति योग

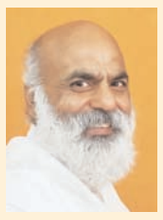

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी मैं पूरा बुद्धि वादी हूँ इसलिए सनातनी हो गया हूँ क्योंकि बुद्धि के आधार पर मेरे लिए यह जानना, पहचानना और मानना सहज है कि सभी कुछ की उत्पत्ति उसी से सम्भव है जो सदा हो। नित्य अध्यात्म ज्ञान के बिना, न धर्म सदा, न पंथ सदा तो, मत, वाद, रिलीजन, मज़हब आदि की तो बात ही कहाँ आती है? कितने तो अभी अध्यात्म के शैशव काल में भी नहीं पहुँचे हैं। किंतु खिन्नता तब होती है जब कोई सनातनी ही शिव को कुछ हज़ार वर्ष पूर्व हुए योगी तक सीमित कर देते हैं और कोई किसी एक देवी देवता या इष्ट नाम को सबसे बड़ा (गुरु) और सबका आधार बताने लगते हैं तो, कोई किसी अन्य को ? नित्य अर्थात अभी और यहीं घटित होती सनातन अनुभूति में तो सब 'एक'ही है। तो एक की 'दूसरे' से तुलना करना क्या तात्विक और तार्किक दृष्टि से आधार हीन नहीं है ?

उत्तर: इस भाव को आपको गहराई में जाकर समझना होगा। चूँकि आपने कहा है कि आप सनातनी हो गए हैं तो उदाहरण और संदर्भ देने के लिए सनातन साहित्य की शरण में ही चलते हैं। भक्तों की एक श्रेणी जिसमें गोस्वामी तुलसी दास आदि हैं, जो विष्णु को राम का अवतार मानते हैं जबकि वैष्णव भक्त राम कृष्ण आदि को विष्णु का अवतार मानते हैं। दक्षिण भारत के अधिकांश भक्तों में तो आज भी यही मान्यता है। तो ऐसे में राम और विष्णु में तुलना कैसे हो सकती है? अपना अपना भाव है, अपनी अपनी अनुभूति है। इनमें से गुरु और शिष्य सम्बन्ध मात्र एक ऐसा सम्बंध है जिसमें द्वैत नहीं है अर्थात न तो गुरु के और ना ही शिष्य के मन में ऐसा संदेह उत्पन्न होता है कि दूसरा निराकार परमात्मा का साक्षात साकार विग्रह नहीं है इसलिए तुलना करना अकल्पनीय व्यवहार बना रहता है दोनों सत चित आनंद से नीचे की अवस्थाओं में आते ही नहीं, इससे ऊपर की अवस्थाओं में ही रमते हैं जबकि बुद्धि का क्षेत्र निचली अवस्थाओं तक सीमित है। आप उसे कृत्रिम बुद्धि कहो या प्राकृतिक, ज्ञानी की दृष्टि में दोनों एक ही हैं।

मोदी-लूला वार्ता

भारत और ब्राजील ने 20 अरब डॉलर का वार्षिक व्यापार लक्ष्य तय किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच व्यापक वार्ता के बाद, भारत और ब्राजील ने शनिवार को अगले 5 वर्ष में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया तथा महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

दोनों नेताओं ने रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा एवं डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना सहित कई अन्य क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने का भी संकल्प लिया, और साथ ही अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति से निपटने के लिए भारत-ब्राजील के बीच गहन रणनीतिक जुड़ाव पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि भारत और ब्राजील इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद और उसके समर्थक मानवता के ''दुश्मन'' हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक है। राष्ट्रपति लुला पांच दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। उनकी यह यात्रा 18 फरवरी से शुरू हुई थी जिसका मुख्य उद्देश्य 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेना और मोदी के साथ वार्ता करना है। मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति की उपस्थिति में अपने मीडिया बयान में कहा, ''ब्राजील लातिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हम अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह विश्वास का प्रतीक है।'' वर्ष 2024-25 में, भारत-ब्राजील व्यापार 12 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें भारतीय निर्यात 6.77 अरब अमेरिकी डॉलर और ब्राजील से आयात 5.43 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर हुआ समझौता लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

लाल किला अब सप्ताह में सभी दिन खुला रहेगा : एएसआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली स्थित लाल किला परिसर अब सोमवार सहित सप्ताह के सभी दिन आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शुमार मुगल कालीन यह स्मारक पहले हर सप्ताह सोमवार को बंद रहता था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा हाल ही में एक आदेश जारी किया गया है, जिसके अनुसार दिल्ली का लाल किला सोमवार सहित सप्ताह के सभी दिन खुला रहेगा। एएसआई अधिकारी ने कहा कि इस पर अमल शुरू हो चुका है और 16 फरवरी सोमवार के दिन आगुंतकों के लिए लालकिला खुला रहा। 13 फरवरी को जारी इस आदेश पर एएसआई के महानिदेशक ने हस्ताक्षर किए हैं, जो देश में केंद्र द्वारा संरक्षित स्मारकों का प्रशासन करता है।

भारतीय समृद्धि के लिए उद्योग जगत में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अनिवार्य : टी वी नरेंद्रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (आइमा) के अध्यक्ष टी वी नरेंद्रन ने शनिवार को कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में कृत्रिम मेधा (एआई) और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती अहमियत के बीच भारत की समृद्धि बनाए रखने के लिए उद्योग जगत की हस्तियों के पास प्रौद्योगिकी को समझने और उसे लागू करने की क्षमता होनी जरूरी है।

नरेंद्रन ने 'आइमा' के 70वें स्थापना दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय व्यवसाय और उनके नेतृत्वकर्ता राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। टाटा स्टील के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक नरेंद्रन ने कहा कि घरेलू कंपनियां आज दुनिया भर में व्यवसायों का अधिग्रहण कर रही हैं और भारतीय प्रबंधक विश्व के कुछ सबसे जटिल संगठनों का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने एआई के संदर्भ में कहा, कृत्रिम मेधा अब केवल चर्चा का एक छोटा हिस्सा नहीं रह गया है। यह अब सरकारों की सोच, व्यवसायों के संचालन और भविष्य के लिए समाज की तैयारियों के केंद्र में है। जलवायु परिवर्तन पर नरेंद्रन ने कहा कि यह अब कोई दूर का जोखिम नहीं है, बल्कि कंपनियों के बहीखाते और नियामकीय ढांचों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, भारत ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जो अधिकांश देशों को कभी नहीं मिलता।

तिरुपति में लड्डू के लिए घी में मिलावट के मामले में वाईएसआरसीपी दूसरों पर दोष मढ़ रहा : नायडू

विनुकोंडा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) नेताओं पर तिरुपति में लड्डू (प्रसाद) बनाने में इस्तेमाल घी में कथित मिलावट के मामले में दूसरों पर दोष मढ़कर जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करने का शनिवार को आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने पलनाडु जिले के विनुकोंडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि वाईएसआरसीपी नेताओं ने तिरुपति लड्डू में मिलावट की जांच में कई बाधाएं खड़ी कीं और यहां तक कि उच्चतम न्यायालय का रुख भी किया।

नायडू ने स्वर्ण आंध्र स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम के दौरान विपक्षी दल के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा, ''लड्डू को बनाने में इस्तेमाल घी में मिलावट की गलती से बचने के लिए वे इसे दूसरों पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि क्या करना चाहिए।'' मुख्यमंत्री के अनुसार, सीबीआई नीत विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पाया कि तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाली तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को घी के रूप में आपूर्ति किया गया पदार्थ बिल्कुल भी शुद्ध घी नहीं था। उन्होंने इस मुद्दे को पिछली वाईएसआरसीपी सरकार से चली आ रही ''वंशानुगत समस्या'' बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि 2019 और 2024 के बीच मिलावटी लड्डू परोसे गए थे। नायडू ने दक्षिणी राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजक) विधायक दल की 2024 में हुई बैठक के दौरान आरोप लगाया था कि पिछली सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और करोड़ों भक्तों द्वारा पसंद किए जाने वाले लड्डू (प्रसाद) तैयार करने में घटिया सामग्री और पशु वसा का इस्तेमाल किया।

घरों का डिजाइन बनाते समय लोगों की खरीद क्षमता का ध्यान रखा जाए : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि निर्माण क्षेत्र में डिजाइन तैयार करते समय लोगों की खरीद क्षमता को ध्यान में रखा जाना चाहिए। गडकरी ने कहा कि इस समय देश में सबसे अधिक जरूरत कम लागत वाले और किफायती आवास की है।

केंद्रीय मंत्री ने यह बात इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर्स की तरफ से आयोजित 'डिजाइन शोकेस एंड कॉन्फ्लुएंस 3.0' कार्यक्रम के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट देश के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है, जो बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा करता है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र जीएसटी के माध्यम से राज्यों और केंद्र सरकार को सबसे अधिक राजस्व भी देता है।

गडकरी ने कहा, निर्माण योजनाएं बनाते समय आम लोगों की आय और खरीद क्षमता को ध्यान में रखना जरूरी है। वर्तमान समय में सबसे अधिक जरूरत कम लागत वाले और किफायती घरों की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि निर्माण क्षेत्र को उत्पादन लागत कम करने के उपायों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने नए निर्माण डिजाइन, नवाचार एवं शोध की जरूरत पर भी बल दिया।

अजित पवार विमान दुर्घटना: रोहित पवार ने प्रधानमंत्री से जांच पूरी होने तक नायडू को हटाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के महासचिव एवं विधायक रोहित पवार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि 28 जनवरी को हुए विमान हादसे की जांच पूरी होने तक नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू को केंद्र सरकार से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए। उक्त विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया था।

कर्जत-जामखेड से विधायक रोहित पवार दिवंगत नेता के भतीजे भी हैं। उन्होंने अपने पत्र में दावा किया कि दुर्घटनाग्रस्त लियरजेट 45 विमान की मालिक कंपनी वीएसआर और उसके साथ नायडू के संबंधों को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि इसकी जांच एक स्वतंत्र और सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जानी चाहिए। रोहित पवार ने पत्र में कहा, ''आपने (प्रधानमंत्री) अजितदादा और देश के प्रति उनके योगदान के प्रति हमेशा सम्मान दिखाया है। इस संदर्भ में, मैं अनुरोध करता हूं कि राम मोहन नायडू को जांच पूरी होने तक अपने पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए।

'एआई समिट' में युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन ने भारत की छवि धूमिल की : सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दिल्ली में 'एआई समिट' में युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि इस तरह के कृत्य ''राजनीतिक लापरवाही'' के समान हैं तथा देश की छवि को धूमिल करते हैं।

भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को 'एआई इम्पैक्ट समिट' के एक प्रदर्शनी हॉल में नाटकीय ढंग से 'कमीज उतारकर विरोध' प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारे वाली टी-शर्ट पकड़ी हुई थी, जिसके बाद कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें वहां से हटा दिया। सावंत ने पोस्ट में कहा कि जब भारत प्रौद्योगिकी क्षमताओं और आत्मविश्वास को प्रदर्शित करने के लिए एक वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, तो ऐसे समय में इस प्रक्रिया में बाधा पहुंचाना अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। उन्होंने कहा, ''इस तरह के नाटक भारत की छवि को धूमिल करते हैं, हमारे वैज्ञानिकों, स्टार्टअप और युवाओं के काम से ध्यान भटकाते हैं तथा वैश्विक मंच पर हमारी विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं।''

अमेरिका में शुल्क से जुड़ी घटनाओं का अध्ययन कर रही सरकार : वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार अमेरिका में सीमा शुल्क से जुड़े ताजा घटनाक्रम और उसके संभावित प्रभावों का अध्ययन कर रही है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, शुक्रवार को सीमा शुल्क के बारे में आया अमेरिकी उच्चतम न्यायालय का फैसला हमारे संज्ञान में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस संबंध में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया है। बयान में कहा गया, अमेरिकी प्रशासन की तरफ से कुछ कदमों की घोषणा की गई है। हम इन सभी घटनाक्रमों का उनके प्रभावों के संदर्भ में अध्ययन कर रहे हैं।

ट्रंप की तरफ से पिछले साल भारत समेत करीब 60 देशों के खिलाफ जारी शुल्क आदेशों को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को रद्द घोषित कर दिया। इसके बाद ट्रंप ने 10 प्रतिशत वैश्विक सीमा शुल्क लगाने की घोषणा कर दी। ट्रंप की नवीनतम घोषणा के मुताबिक, अमेरिका 24 फरवरी से 150 दिनों की अवधि के लिए आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अस्थायी 'एड-वेलोरम' (मूल्य आधारित) आयात अधिभार लगाएगा।

रात भर चले हंगामे के बाद पुलिस ने विधायक को कार्यालय से घसीटकर बाहर निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा पुलिस ने गांव की जमीन को बंदोबस्ती क्षेत्र में परिवर्तित करने के विरोध में रात भर प्रदर्शन कर रहे रेवोल्यूश्नरी गोवा पार्टी के विधायक वीरेश बोरकर और कई अन्य लोगों को नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग कार्यालय से शनिवार सुबह कथित तौर पर घसीटकर बाहर निकाल दिया।

विधायक वीरेश बोरकर ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का आवेदन दाखिल किया।

पुलिस कार्रवाई के बाद विधायक और ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ अपना विरोध जारी रखने के लिए एक अलग जगह चुनी जबकि नगर एवं ग्राम नियोजन मंत्री विश्वजीत राणे ने प्रदर्शनकारियों को 'ब्लैकमेलर' बताते हुए आदेश रद्द करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि उत्तरी गोवा के सेंट आंद्रे विधानसभा क्षेत्र के पालेम-सिरीदाओ गांव में 84,000 वर्ग मीटर जमीन को नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने अधिनियम की धारा 39-ए का दुरुपयोग करते हुए गैर-बस्ती क्षेत्र से बस्ती क्षेत्र में परिवर्तित कर दिया। शुक्रवार को गांव के निवासी विरोध प्रदर्शन करने के लिए विभाग के कार्यालय तक मार्च करते हुए पहुंचे।

लगभग 100 ग्रामीण आदेश को तत्काल रद्द करने की अपनी मांग को लेकर रात भर वहीं रुके रहे। प्रदर्शनकारियों में अधिकतर महिलाएं थीं।

हिमाचल प्रदेश सरकार शिमला 'आइस स्केटिग रिंक' का पुनर्निर्माण करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के मकसद से राज्य सरकार शिमला में ब्रिटिश काल के 'आइस स्केटिंग रिंक' का 20.22 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्निर्माण करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एशिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े इस प्राकृतिक 'आइस-स्केटिंग रिंक' की स्थापना 1920 में हुई थी। लक्कड़ बाजार क्षेत्र में स्थित यह रिंक दशकों से एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और इसने हजारों उभरते 'आइस स्केटर्स' को प्रेरित किया है। सरकार के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि शिमला 'आइस-स्केटिंग रिंक' को अब लगभग 20.22 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से एक आधुनिक, अत्याधुनिक सुविधा के रूप में तब्दील किया जाएगा।

कुल अनुमानित लागत में से 2.81 करोड़ रुपए नए क्लब हाउस भवन के निर्माण पर, 16.09 करोड़ रुपए 'आइस-स्केटिंग रिंक' के बुनियादी ढांचे पर और 1.21 करोड़ रुपए एक स्टोर, स्मृति चिह्न की दुकान और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर खर्च किए जाएंगे।

मध्यप्रदेश में साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़, 20 आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शिवपुरी जिले से काम कर रहा ये गिरोह 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिये लोगों से ठगी करता था। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने 'ऑपरेशन मैट्रिक्स' के तहत आरोपियों से मोबाइल फोन और चार पहिया वाहन समेत करीब 1.07 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी 'डेटिंग और चैटिंग' एप के जरिए लोगों को निशाना बनाते थे। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि नौ विशेष टीमों ने करेरा, भोंटी और पिछोर क्षेत्रों में छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह चार प्रकरण दर्ज किए गए थे, जिनमें 32 आरोपियों को नामजद किया गया है, और इनमें से अब तक 20 को गिरफ्तार किया जा चुका है।

आरएसएस से जुड़ा मानहानि मामला: राहुल भिवंडी की अदालत में पेश हुए, सपकाल को नया जमानतदार बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/मुंबई/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यकर्ता की ओर से उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में नया जमानतदार पेश करने के लिए शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत में पेश हुए। उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को अपना नया जमानतदार नामित किया।

राहुल के महाराष्ट्र के ठाणे जिले की ओर जाते समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने मुलुंड टोल प्लाजा पर उन्हें काले झंडे दिखाए, नारे लगाए और कांग्रेस पर दिल्ली में 'एआई इंपैक्ट समिट' में युवा कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन के माध्यम से भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। संयुक्त दीवानी न्यायाधीश और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) पीएम कोलसे की अदालत ने राहुल के नए जमानतदार से संबंधित प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद मानहानि मामले की अगली सुनवाई चार अप्रैल के लिए तय की। आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंते की ओर से दायर मामले में कांग्रेस नेता को पहले ही व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी जा चुकी है। कुंते ने अदालत में शिकायत दायर कर आरोप लगाया है कि राहुल ने 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान सोनाले गांव में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे संघ का हाथ था। अदालत ने राहुल से इस मामले में एक नया जमानतदार पेश करने के लिए कहा था, क्योंकि पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का 12 दिसंबर 2025 को निधन हो गया था, जो उनके जमानतदार थे।

हिंद महासागर क्षेत्र में संयुक्त समुद्री तंत्र सर्वसम्मति पर आधारित होगा: नौसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने शनिवार को कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में प्रस्तावित कोई भी संयुक्त समुद्री तंत्र भागीदार देशों के बीच आम सहमति पर आधारित होगा। एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने इसके साथ ही क्षमता निर्माण प्रयासों में भागीदार देशों के लिए भारत के समर्थन का आश्वासन दिया।

एडमिरल त्रिपाठी ने गोवा समुद्री सम्मेलन (जीएमसी) 2026 के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मेलन के पहले सत्र में हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के संबंध में चर्चा हुई, जिसमें संयुक्त कार्य बल जैसी व्यवस्था की संभावना भी शामिल है। उन्होंने कहा, जीएमसी आम सहमति पर आधारित है। सभी देशों के बीच आम सहमति होनी चाहिए। सभी देशों के बीच सहमति होना जरूरी है। हम सबकी क्षमताएं अलग-अलग हैं, इसलिए हर देश जो योगदान दे

सकता है, उसे ध्यान में रखना होगा।'' नौसेना प्रमुख ने कहा कि नजदीकी परिचालन सहयोग का विचार सर्वमान्य है और संयुक्त कार्य बल के तौर तरीके पर सामूहिक रूप से काम करना होगा। उन्होंने एक पिछली पहल का उल्लेख करते हुए इंडियन ओशन शिप (आईओएस) एसएजीएआर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) का उल्लेख किया, जिसके तहत पिछले साल हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के 10 देशों के कर्मी एक भारतीय नौसैना के प्लेटफार्म पर सवार हुए और 41 दिनों तक एकसाथ सफर करते हुए पूरे क्षेत्र के बंदरगाहों का दौरा किया। उन्होंने कहा, ''विभिन्न देशों के समुद्री और राजनीतिक नेतृत्व सहित हमें जो अनुभव और प्रतिक्रिया मिली, वह बहुत सकारात्मक थी। इसी के आधार पर हमने इस वर्ष आईओएस एसएजीएआर 2.0 आयोजित करने का निर्णय लिया है। हम तिथि तय कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल, जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) देशों के अधिकारी और नाविक एक साथ नौकायन और काम करते हैं, समुद्री वातावरण की एक साझा समझ विकसित करने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा, ''जब वे एकसाथ नौकायन करते हैं और मिलकर काम करते हैं, तो वे जिस समुद्री वातावरण को देखते हैंझाहे इलेक्ट्रॉनिक तरीके से या अपनी आंखों सेझ्ह एक समान होता है।

तमिलनाडु चुनाव : द्रमुक ने सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए टी आर बालू के नेतृत्व में समिति गठित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने आगामी विधानसभा चुनावों में सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए शनिवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता टी आर बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। डीएमडीके को गठबंधन में शामिल करने के इस कदम ने उसकी प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक को झटका दिया है, जो आगामी विधानसभा चुनाव में द्रमुक का सामूहिक रूप से मुकाबला करने के लिए विजयकांत द्वारा स्थापित पार्टी को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल करने का प्रयास कर रही थी।

द्रमुक के एक सूत्र ने बताया कि पार्टी 22 फरवरी से अपने सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू कर सकती है। डीएमडीके को समायोजित करने के अलावा पार्टी के इस चुनाव के लिए कांग्रेस को अधिक सीट आवंटित करने की संभावना है। तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की किसी भी संभावना को खारिज करते हुए द्रमुक के सहयोगी एमडीएमके प्रमुख वाइको ने कहा कि द्रविड़ पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी।

वाइको ने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन 2026 के विधानसभा चुनाव जीतकर फिर से सरकार बनाएंगे।'' वाइको ने शनिवार को दक्षिणी जिले तिरुनेलवेली में पत्रकारों से कहा, ''आगामी चुनाव शक्ति प्रदर्शन की बड़ी परीक्षा नहीं होंगे। द्रमुक ज्यादातर सीट पर जीत हासिल करेगी। मैं फिर से दोहराना चाहता

हूं कि गठबंधन सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है।''

द्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''हमारे नेता (स्टालिन) ने सहयोगी दलों को चुनावी माहौल के लिए तैयार कर दिया है। वादे के मुताबिक, हमारे अध्यक्ष ने समिति का गठन कर दिया है और वह बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाएंगे और संभवतः इस महीने के अंत तक या अगले महीने की शुरुआत में इसे पूरा कर लेंगे, ताकि पार्टी संयुक्त चुनाव अभियान चला सकें।''

उन्होंने कहा कि द्रमुक ने अपनी ओर से प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को समझाने और केंद्र और उसके गुलाम अन्नाद्रमुक के 'विश्वासघात को उजागर करने'' के लिए एक जनसंपर्क अभियान चलाया है। दिलचस्प बात यह है कि अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता ओ पनीरसेल्वम ने 20 फरवरी को सत्र समाप्त होने के बाद विधानसभा परिसर में स्टालिन से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया।

बाद में उन्होंने कहा कि स्टालिन सत्ता में वापस लौटेंगे। पनीरसेल्वम ने पत्रकारों से कहा था कि यह विचार द्रमुक सरकार के सुशासन के प्रति जनता की भावनाओं को दर्शाता है। उनकी यह टिप्पणी अन्नाद्रमुक को रास नहीं आई और उसने इसकी आलोचना करते हुए इसे 'विश्वासघात'' बताया।

अन्नाद्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उन्हें पार्टी में उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया और यहां तक कि अम्मा (दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता) द्वारा उपमुख्यमंत्री भी बनाया गया। अब वह अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए द्रमुक नेता की प्रशंसा करके अन्नाद्रमुक के प्रति विश्वासघात करने को तैयार हैं।''

इससे पहले, अपनी बूथ समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण देने और सदस्यता अभियान चलाने पर ध्यान केंद्रित कर रही द्रमुक ने कहा कि सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू करने के लिए समिति गठित की गयी है। पार्टी के कोषाध्यक्ष बालू इस समिति के प्रमुख होंगे।

द्रमुक के प्रधान सचिव के एन नेहरू, उप महासचिव तिरुचि शिवा और ए राजा, संगठन सचिव आर एस भारती और द्रमुक की उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति के सदस्य ई वी वेलू और एम आर के पनीरसेल्वम भी समिति के सदस्य हैं।

द्रमुक द्वारा घोषणा किए जाने के कुछ ही घंटों बाद वाइको ने भी अपनी पार्टी मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) की ओर से एक समिति के गठन की घोषणा की।

चार सदस्यीय समिति में एमडीएमके के परिषद अध्यक्ष अर्जुन राज, कोषाध्यक्ष एम सेंथिलदीपन, उच्च स्तरीय समिति सदस्य सु जीवन और चुनाव सचिव वी शेषन शामिल हैं।

पार्टी महासचिव वाइको ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा, ''यह समिति धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का नेतृत्व कर रही द्रविड़ मुनेत्र कषगम के साथ 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए बातचीत करेगी।''

प्रधानमंत्री मोदी एक मार्च को पुडुचेरी का दौरा करेंगे : भाजपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक मार्च को पुडुचेरी का दौरा करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता निर्मल कुमार सुराना ने यह जानकारी दी। पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा की पुडुचेरी इकाई के प्रभारी सुराना ने पत्रकारों को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में कराईकल का दौरा किया था, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा नेता के इस दौरे से वहां के लोगों के बीच एक सकारात्मक संदेश गया है।

इस बीच आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा के दौरान कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे और जनसभा पास के लॉस्पेट के हेलीपैड मैदान में आयोजित की जाएगी। सुराना ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा के दौरान मोदी के भव्य स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। केंद्र शासित प्रदेश में सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी चुनाव भी साथ लड़ेंगे और गृह मंत्री की 14 फरवरी को कराईकल यात्रा के दौरान इस गठबंधन की पुष्टि की गई।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी और केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया भी शाह के साथ हुई बैठक में मौजूद थे और सुराना ने कहा कि आगामी चुनाव में भी एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन जारी रहेगा। सुराना ने कहा कि लक्ष्य जननायगा काची समेत कुछ अन्य पार्टियां भी यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होंगी और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) को भी शामिल करने के लिए बातचीत जारी है। उन्होंने कहा, एआईएडीएमके पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में राजग का हिस्सा है और पुडुचेरी में भी निश्चित रूप से गठबंधन में शामिल होगी।''

रजनीकांत और कमल हासन की ऐतिहासिक वापसी, रेड जायंट मूवीज ने जारी किया पहला प्रोमो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रोडक्शन हाउस 'रेड जायंट मूवीज' ने शनिवार को सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन के ऐतिहासिक मिलन का पहला प्रोमो वीडियो आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया है, जिससे दोनों दिग्गजों को एक साथ पर्दे पर देखने का लगभग चार दशकों का इंतजार समाप्त हो गया है। यह मजेदार प्रोमो तीन मिनट 46 सेकंड लंबा है और इसे 12:07 बजे के प्रतीकात्मक समय पर जारी किया गया।

फिल्म को अस्थायी रूप से 'केएचएक्सआरके' नाम दिया गया है, और इस वीडियो के साथ यह औपचारिक रूप से पुष्टि हो गई है कि यह फिल्म नेल्सन दिलीप कुमार लिखेंगे और निर्देशित करेंगे। दिलीप कुमार, रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' की सफलता के बाद से चर्चा में हैं।

इस प्रोमो के लॉन्च पर प्रतिक्रिया देते हुए, कमल हासन ने सोशल मीडिया पर इसे अपने मित्र के साथ एक विशेष पुनर्मिलन बताया।

फिल्म उद्योग के सूत्रों के अनुसार, इस वीडियो को दोपहर 12:07 बजे जारी करने का निर्णय एक सोचा-समझा कदम था, जिसमें रजनीकांत (12 दिसंबर) और कमल हासन (7 नवंबर) की जन्मतिथियों के अंक जुड़े हुए हैं। इंबान उधयनिधि द्वारा 'रेड जायंट मूवीज' के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म की मुख्य शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

तमिल भाषा अपने दम पर सक्षम : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को कहा कि तमिल भाषा में किसी अन्य भाषा के सहारे या प्रभाव के बिना स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनूठी क्षमता है।

ऐतिहासिक विक्टोरिया पब्लिक हॉल में 'तमिल-इंडो-यूरोपीयन रूट वर्ड्स कमपैरेटिव डिक्शनरी' के चौथे खंड के विमोचन पर उन्होंने राज्य की भाषाई नीति को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया।

उन्होंने कहा, कई लोग संदेह से पूछते हैं कि जब अन्य राज्यों ने हिंदी स्वीकार कर ली है तो केवल तमिलनाडु ही इसका विरोध क्यों करता है। मेरा जवाब है कि तमिल भाषा में बिना किसी दूसरी भाषा के सहारे खुद काम करने की क्षमता है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि 1937-38 में पेरियार के नेतृत्व में हुए पहले भाषा आंदोलन के बाद 21 फरवरी 1940 को स्कूलों में अनिवार्य हिंदी को आधिकारिक रूप से रद्द किया गया था। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि एम. करुणानिधि ने 14

वर्ष की उम्र में उस आंदोलन में भाग लिया था।

राज्य की भाषाई विरासत पर बल देते हुए उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम सरकार को दो-भाषा नीति लागू करने, तमिल को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने और राज्य का नाम 'तमिलनाडु' रखने का श्रेय दिया। यह नया खंड 12 खंडों की श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें तमिल मूल शब्दों की तुलना लातिन, यूनानी, जर्मन, फारसी और संस्कृत जैसी भारत-यूरोपीय भाषाओं से की गई है। परियोजना के प्रधान संपादक के. अरसेन्द्रन हैं, जिन्हें राज्य का 'देवनेय पवनार पुरस्कार' मिल चुका है।

उदयनिधि ने कहा कि पहला खंड मार्च 2025 में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जारी किया था, जबकि दूसरा और तीसरा खंड पिछले महीने चेन्नई अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में जारी हुए।

उन्होंने कहा कि बाकी खंड भी जल्द प्रकाशित होंगे। यह शब्दकोश परियोजना तमिलनाडु पाठ्यपुस्तक एवं शैक्षिक सेवा निगम और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के सहयोग से तैयार की जा रही है, जिसका उद्देश्य तमिल और भारत-यूरोपीय भाषाओं के गहरे भाषाई संबंधों का अध्ययन करना है।

तमिलनाडु के छह जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मौसम विभाग ने शनिवार को तमिलनाडु के छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसका असर दक्षिण तमिलनाडु के मौसम पर दिखाई देगा।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दक्षिण तमिलनाडु और दक्षिण केरल के आसपास बना वायुमंडलीय परिसंचरण सक्रिय है, जिसके कारण कई जिलों में गरज-चमक के साथ व्यापक बारिश होने की संभावना है।

शनिवार को कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन (थूथुकुडी), तेनकासी, विरुधुनगर और थेनी जिलों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इन जिलों के कुछ इलाकों में तेज गर्जना, बिजली चमकने और बहुत तेज बारिश की घटनाएं हो सकती हैं। निचले और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां जलभराव और स्थानीय बाढ़ की आशंका रहती है।

बारिश का यह सिलसिला रविवार तक जारी रहने की संभावना है। रविवार को डिंडीगुल, मदुरै और थेनी जिलों में भी भारी बारिश हो सकती है। प्रशासन ने बताया कि मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर आगे की चेतावनी जारी की जाएगी।

राजधानी चेन्नई में शनिवार को आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा। शहर के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हालांकि चेन्नई के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन रुक-रुक कर होने वाली बारिश से गर्मी से अस्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। इसी बीच राज्य के अन्य हिस्सों और पुडुचेरी में 24 फरवरी तक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। अधिक नमी और ऊंचे तापमान के कारण अंदरूनी जिलों में उमस भरा मौसम बना रह सकता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना पिछला निम्न दबाव क्षेत्र गुरुवार को कमजोर पड़ गया था, लेकिन दक्षिण-पूर्व खाड़ी में बना नया वायुमंडलीय सिस्टम मजबूत होकर नए निम्न दबाव क्षेत्र में बदल सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में ऐसे सिस्टम का बनना सामान्य है और इससे दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधि बढ़ सकती है। मछुआरों और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आधिकारिक मौसम बुलेटिन पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का मदुरै दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन शनिवार को विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए शनिवार को मदुरै का दौरा किया।

मुख्यमंत्री स्टालिन मदुरै हवाई अड्डे से ईएलसीओटी टेक्नोलॉजी पार्क में आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद वे पिनेकल इंडस्ट्रीज द्वारा स्थापित एक क्षमता-निर्माण फेसेलिटी का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री स्टालिन शहर के एक प्रमुख केंद्र, थमुक्कम मैदानम पहुंचेंगे। यहां वे एक महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजना के एक अहम हिस्से के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। साथ मुख्यमंत्री स्टालिन क्षेत्र के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी मरुधु पांडियार बंधुओं की प्रतिमा के वर्चुअली अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने मीनाक्षी सरकारी

महिला कला महाविद्यालय का दौरा किया। जहां उन्होंने नवनिर्मित कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

इसके अलावा, वे ग्रामीण पेयजल आपूर्ति परियोजना का आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया जिससे आसपास के गांवों के 867 परिवारों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने शाम को डीएमके के जमीनी कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित सत्तारूढ़ दल के कार्यक्रम में भाग लिया।

पन्नीरसेल्वम ने द्रमुक गठबंधन में शामिल होने के संकेत दिए हैं : वाइको

तिरुनेलवेली। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सहयोगी एमडीएमके प्रमुख वाइको ने शनिवार को दावा किया कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता ओ पन्नीरसेल्वम ने द्रमुक गठबंधन में शामिल होने का संकेत दिया है। वाइको ने कहा कि 20 फरवरी को चेन्नई में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात में यह बात स्पष्ट हो गई थी।

वाइको से जब संवाददाताओं ने पूछा कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री द्रमुक गठबंधन में शामिल होंगे, तो उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, वह कल ही शामिल हुए हैं। स्टालिन से

मुलाकात के बाद हाल ही में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) छोड़ने वाले पन्नीरसेल्वम ने कहा था कि द्रमुक के पास आगामी विधानसभा चुनाव जीतने और सत्ता में वापसी करने का मौका है। पन्नीरसेल्वम ने कहा था कि लोगों में यह आम धारणा है कि स्टालिन दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे।

एमडीएमके ने द्रमुक के साथ सीटों के बंटवारे के लिए समिति गठित की

चेन्नई। वाइको के नेतृत्व वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) ने शनिवार को कहा कि उसने आगामी विधानसभा चुनाव में द्रमुक के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करने के लिए एक समिति का गठन किया है। चार सदस्यीय समिति में डीएमडीके के परिषद अध्यक्ष अर्जुन राज, कोषाध्यक्ष एम सेंथिलदीपन, उच्च स्तरीय समिति सदस्य सु जीवन और चुनाव सचिव वी शेषन शामिल हैं। पार्टी महासचिव वाइको ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा, ''यह समिति धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का नेतृत्व कर रही द्रविड़ मुनेत्र कषगम के साथ 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए बातचीत करेगी।''

केरल में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित, लगभग नौ लाख नाम हटाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एसआईआर प्रक्रिया के तहत 36.88 लाख मतदाताओं को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए गए थे

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद निर्वाचन आयोग ने शनिवार को केरल में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की, जिसमें से लगभग नौ लाख नाम हटा दिए गए हैं। राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या अब 2.69 करोड़ से अधिक है। भारत निर्वाचन आयोग ने वेबसाइट का एक लिंक भी साझा किया है, जिससे जनता अद्यतन सूची में अपना नाम देख सकती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में जारी आंकड़ों के अनुसार, संशोधित मतदाता सूची में 2,69,53,644 मतदाता हैं, जबकि पिछले साल अक्टूबर में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले यह संख्या 2,78,50,855 थी। निर्वाचन आयोग ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद 8,97,211 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

अधिकारियों ने बताया कि संशोधित सूची में पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,31,26,048, महिला मतदाताओं की संख्या 1,38,27,319 और ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 277 है। ट्रांसजेंडर मतदाताओं में सबसे अधिक संख्या (15) तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र में है। अद्यतन मतदाता सूची में विदेशों में रह रहे मतदाताओं की संख्या 2,23,558 है, जबकि सशस्त्र बलों में सेवारत मतदाताओं की संख्या 54,110 है।

ईसीआई अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत 36.88 लाख मतदाताओं को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए गए थे, जिनमें से 53,229 को अंतिम सूची से बाहर कर दिया गया था।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि अंतिम सूची जारी होने के बाद असंतुष्ट मतदाता अपना नाम शामिल करवाने या हटवाने के लिए आयोग से संपर्क कर सकते हैं। अंतिम सूची सत्यापन के लिए राजनीतिक दलों को भी उपलब्ध कराई जाएगी।

इंडियन ओवरसीज बैंक के अधिकारी दो मार्च को करेंगे देशव्यापी हड़ताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज बैंक अधिकारी संघ (आईओबीओए) ने बैंक प्रबंधन के कथित तौर पर दमनकारी निगरानी उपायों और कार्यस्थल नियमों के विरोध में दो मार्च को एक-दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल की घोषणा की है। अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) ने इस कदम का समर्थन करते हुए कहा कि इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) की कार्यसंस्कृति में गंभीर और चिंताजनक बदलाव आए हैं।

परिसंघ ने आरोप लगाया कि अधिकारियों को बैंक में जबरन देर तक बैठने के लिए मजबूर किया जा रहा है और एकतरफा 'एंड-ऑफ-डे' पाबंदियां लगाई जा रही हैं, जो उनके सम्मान और पेशेवर स्वायत्तता को प्रभावित करती हैं। 'एंड-ऑफ-डे' पाबंदियों का मतलब है कि बैंक का रोजमर्रा का कामकाज और सिस्टम क्लोजर पूरा होने तक अधिकारियों को अनिवार्य रूप से बैंक में मौजूद रहना है। एक बयान के मुताबिक, मनोबल, मानसिक स्वास्थ्य और संस्थागत कामकाज से जुड़ी चिंताओं को बार-बार उठाने के बावजूद प्रबंधन की ओर से कोई उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

आईओबी अधिकारी संघ की मांगों में कामकाज के मानवीय घंटों की बहाली, कुछ मानव संसाधन शर्तों को वापस लेना, पारदर्शी कामकाज, पर्याप्त भर्ती और मनमाने ढंग से छुट्टी देने से इनकार एवं दंडात्मक प्रावधानों की वापसी शामिल हैं। विरोध प्रदर्शन की रणनीति के तहत, 23 फरवरी को क्षेत्रीय केंद्रों पर प्रदर्शन और 26 फरवरी को धरने आयोजित किए जाएंगे, जिसका समापन दो मार्च को देशव्यापी हड़ताल के साथ होगा।

कांग्रेस नेता रेशमी भाजपा में शामिल हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता आर रेशमी शनिवार को भाजपा में शामिल हो गईं। उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में कोट्टारक्कारा निर्वाचन क्षेत्र से राज्य के वित्त मंत्री के एन बालागोपाल को कड़ी टक्कर दी थी। रेशमी महिला कांग्रेस की राज्य महासचिव थीं और स्थानीय निकायों के लिए कई बार चुनी गईं।

रेशमी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 20 वर्षों से कांग्रेस के लिए जन प्रतिनिधि के रूप में काम किया है। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें कटु अनुभवों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्होंने पार्टी से दूरी बना ली।

रेशमी ने बताया कि उन्होंने मौजूदा वित्त मंत्री बालागोपाल के खिलाफ चुनाव लड़ा था और उन्हें व्यापक जनसमर्थन मिला था। रेशमी ने कहा, मैं बहुत कम मतों के अंतर से चुनाव हार गई। चुनाव के बाद मैंने कोट्टारक्कारा में राजनीति में सक्रिय रहने की कोशिश की, लेकिन इसके लिए हमें कई वित्तीय बोझ उठाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में सक्रिय रहीं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी उम्मीदवारी की सिफारिश की थी और पूरे समय उनका समर्थन किया था। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि कोट्टारक्कारा में वह कुछ खास लोगों के प्रभाव में हैं।

रेशमी ने जेबी माथेर की सांसद और महिला कांग्रेस के अन्य नेताओं से मिले समर्थन को भी याद किया। उन्होंने कहा, मेरे राजग में शामिल होने की खबरें सामने आने के बाद, कुछ लोगों ने न्यू मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए मुझे निशाना बनाना शुरू कर दिया। लेकिन, मैं उन्हें जवाब देने के लिए तैयार नहीं हूं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कुछ व्यक्तियों के साथ हुए कड़वे अनुभवों ने उन्हें पार्टी छोड़ने के लिए प्रेरित किया और उन्होंने कहा कि वह आने वाले दिनों में और विवरणों का खुलासा करेंगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने रेशमी का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगी।

राजस्थान होमस्टे योजना-2026 लागू

ग्रामीण और पारिवारिक पर्यटन को मिलेगी नई गति, राज्य में पर्यटन और रोजगार को लगेंगे पंख

"राज्य में होमस्टे खोलना पहले की तुलना में अब अधिक सरल, तेज़ और किफ़ायती होगा, इस योजना के तहत राज्य के निवासी अपने घर या संपत्ति के कुछ कमरों को पर्यटकों के ठहरने हेतु उपलब्ध करा सकते हैं। अब गृहस्वामी होमस्टे इकाइयाँ अधिक सहजता से खोल और संचालित कर सकेंगे जिससे छोटे निवेशक, ग्रामीण परिवार और महिला उद्यमी भी पर्यटन से सीधे जुड़कर लाभ ले सकेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' की अवधारणा को जमीनी स्तर पर उतारते हुए राज्य सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है जिसके तहत अब राज्य में 'राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना2026' लागू की गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन प्रवीण गुप्ता ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के विजन अनुसार राजस्थान सरकार की होमस्टे योजना2026 पर्यटन-विकास, ग्रामीण आय-वृद्धि और स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी पहल है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया भारत सरकार के डिरेगुलेशन 2.0 उपायों और ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस की भावना के अनुरूप उक्त योजना को सरलीकृत किया गया है। यह योजना राज्य में पर्यटन गतिविधियों को विकेन्द्रिकृत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करने तथा छोटे स्तर के उद्यम को बढ़ावा देने का साधन है। योजना अंतर्गत लाइसेंस प्रक्रिया को कम कर, मंज़ूरी को डिजिटल व तेज़ बनाया गया है। पहले जहाँ होमस्टे शुरू करने के लिए कई विभागों की अनुमति और अधिक कागज़ी कार्य करनी पड़ती थी अब सिंगल-विंडो सिस्टम, कम दस्तावेज़ और आसान रजिस्ट्रेशन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन ने बताया कि राज्य में होमस्टे खोलना पहले की तुलना में अब अधिक सरल, तेज़ और किफ़ायती होगा, इस योजना के तहत राज्य के निवासी अपने घर या संपत्ति के कुछ कमरों को पर्यटकों के ठहरने हेतु उपलब्ध करा सकते हैं। अब गृहस्वामी होमस्टे इकाइयाँ अधिक सहजता से खोल और संचालित कर सकेंगे जिससे छोटे निवेशक, ग्रामीण परिवार और महिला उद्यमी भी पर्यटन से सीधे जुड़कर लाभ ले सकेंगे। इससे स्थानीय लोगों को आय का स्रोत मिलेगा और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति का अनुभव भी मिलेगा। ग्रामीण और पारिवारिक पर्यटन को नई गति मिलेगी और राज्य में पर्यटन और रोजगार को पँख लगेंगे।

'राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना2026' के तहत प्रति आवासीय इकाई अनुमत कमरों की अधिकतम संख्या 5 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है, जबकि अधिकतम बैड क्षमता 24 निर्धारित की गई है। इससे आवास क्षमता बढ़ेगी, लेकिन होमस्टे का पारिवारिक स्वरूप भी सुरक्षित रहेगा और छोटे उद्यमियों को भी पर्यटन व्यवसाय में भाग लेने का अवसर मिलेगा। यह योजना पूरे प्रदेश में तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

पूर्व में लागू शर्त जिसके तहत संपत्ति स्वामी या परिवार का सदस्य उसी परिसर में निवास करेगा को इस योजना में समाप्त कर दिया गया है। अब होमस्टे इकाई का संचालन संपत्ति स्वामी, लीजधारी या निर्धारित मानकों के अनुसार नियुक्त केयरटेकर द्वारा किया जा सकेगा। यदि स्वामी या पट्टेदार स्वयं परिसर में निवास नहीं करता है, तो दिशा-निर्देशों के अनुरूप एक नामित केयरटेकर नियुक्त किया जा सकेगा। इससे संचालन में लचीलापन और व्यावसायिक दक्षता दोनों सुनिश्चित होंगे।

योजना में पंजीकरण प्रक्रिया को शीघ्र ही पूर्णतः ऑनलाइन किया जाएगा, जिससे घर बैठे सरल और पारदर्शी आवेदन संभव होगा। आवेदन प्राप्ति के सात कार्य दिवस के भीतर अस्थायी पंजीकरण जारी किया जाएगा, जिसके आधार पर संचालन प्रारंभ किया जा सकेगा। तीन माह के भीतर निरीक्षण के बाद स्थायी पंजीकरण प्रदान किया जाएगा, जिसकी वैधता दो वर्ष होगी। यदि निर्धारित समय में प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाता है तो आवेदन स्वतः पंजीकृत माना जाएगा, जिससे प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

भिवाड़ी में कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगी, कोई हताहत नहीं

जयपुर। राजस्थान के भिवाड़ी कस्बे में चैंपियन चौक के पास एक कबाड़ गोदाम में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई जिससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि आग की चपेट में आए गोदाम में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, लोहा और जल्दी आग पकड़ने वाला कबाड़ भरा था जिससे आग तेजी से फैल गई। अग्निशमन अधिकारी राजू खान ने कहा कि नियंत्रण कक्ष को सूचना मिलने पर करीब आधा दर्जन दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। उन्होंने कहा कि आग के बहुत तेज होने के कारण कर्मचारियों को इस पर काबू पाने में मुश्किल हुई। पुलिस ने एहतियात के तौर पर आस-पास के इलाकों को खाली करा दिया और इलाके में यातायात भी प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। इससे कुछ दिन पहले, भिवाड़ी में एक अवैध पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लगने की घटना हुई थी।

बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में दिन का तापमान बढ़ने लगा है जहां बीते चौबीस घंटे में बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। मौसम केंद्र ने बताया कि शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33.4 डिग्री, फलोदी में 31.4 डिग्री, जालोर में 31.2 डिग्री, जोधपुर में 31 डिग्री, व जैसलमेर में 30.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं जबकि न्यूनतम तापमान फतेहपुर सीकर में 9.4 डिग्री रहा। राज्य में आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

जयपुर में कान्हा रेस्टोरेंट खुफिया कमरे की अलमारियों से निकला 'खजाना', 7.5 करोड़ का सोना और कैश सीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की प्रसिद्ध फूड चेन 'कान्हा' रेस्टोरेंट समूह पर आयकर विभाग की छापेमारी चौथे दिन शनिवार को भी जारी रही। विभाग की इस बड़ी कार्रवाई में अब तक बेहिसाबी संपत्ति का बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच और जब्ती के बाद आईटी टीम ने 7.5 करोड़ रुपये का सोना और 25 लाख रुपये कैश आधिकारिक तौर पर सीज कर लिया है। दीवार के पीछे 'खुफिया कमरा' और 10 अलमारियां छापेमारी के दौरान जयपुर में शुक्रवार को आयकर अधिकारियों के हाथ एक बड़ी सफलता लगी। एक ठिकाने पर जांच के दौरान एक खुफिया कमरा मिला, जिसे एक बड़ी दीवार के पीछे बेहद शातिर तरीके से बनाया गया था।

इस गुप्त कमरे के अंदर 10 छोटी-छोटी अलमारियां छिपाई गई थीं। इन अलमारियों को खोलने पर करीब 5 करोड़ रुपये की ज्वेलरी और 25 लाख रुपये नकद बरामद हुए। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, चार दिनों की कार्रवाई में अब तक मिली कुल संपत्ति का विवरण इस प्रकार है: सोना/ज्वेलरी कुल 11 करोड़ रुपये की कीमत का सोना मिला (7.5 करोड़ का सीज)। 1.25 करोड़ रुपये नकद बरामद (25 लाख सीज)। 10 बैंक लॉकर चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें खोलकर वैल्यूएशन किया जाना बाकी है। 33 ठिकानों पर एक्शन, 7 पर सर्च अब भी जारी बुधवार सुबह जयपुर और मुंबई सहित कुल 33 ठिकानों पर एक साथ यह ऑपरेशन शुरू किया गया था।

अब तक 26 ठिकानों पर सर्च पूरी हो चुकी है, जबकि जयपुर के 7 ठिकानों पर शनिवार देर शाम तक भी टीमें दस्तावेज खंगाल रही थीं। विभाग ने कान्हा समूह द्वारा संचालित होटलों में पिछले तीन वर्षों में हुई भव्य शादियों और आयोजनों का पूरा रिकॉर्ड तलब किया है। माना जा रहा है कि रविवार शाम तक बैंक लॉकर खोलने और चल-अचल संपत्ति के मूल्यांकन के बाद यह सर्च ऑपरेशन संपन्न होगा। विभाग को अंदेशा है कि आगामी जांच में करोड़ों रुपये के अघोषित निवेश और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी सामने आ सकते हैं।

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'राजस्थान पवेलियन' का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित इंडिया -ख इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान शनिवार को केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'राजस्थान पवेलियन' का दौरा किया। इस अवसर पर वैष्णव को राजस्थान सरकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (-ख) के क्षेत्र में प्रमुख पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के इन नवाचारों में शासन में -ख का उपयोग, नागरिक-केंद्रित सेवाओं का डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में -ख आधारित प्रयास शामिल हैं।

अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान सरकार के एआई -आधारित शासन को आगे बढ़ाने एवं राज्य में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले इन नवाचारी प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के ये प्रयास भारत की समग्र -ख रणनीति के अनुरूप हैं, जो समावेशी, जिम्मेदार और नागरिक-केंद्रित विकास पर आधारित है।

उल्लेखनीय है कि सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा 'राजस्थान पवेलियन' में लगभग 20 स्टॉल्स के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा राजस्थान में टेक्नोलॉजी के माध्यम से हो रहे नवाचारों को बखूबी प्रदर्शित किया गया। यह पवेलियन राजस्थान की -ख क्षमताओं और डिजिटल गवर्नेंस में प्रगति को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

सदन में हंगामे के बीच कार्यवाही तीन बार स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शनिवार को सरकार की ओर से अपने दो वर्ष के कार्यकाल पर रखे गए प्रतिवेदन पर कांग्रेस के विधायकों ने आपत्ति जताई। इस मुद्दे को लेकर सदन में काफी देर हंगामा हुआ और कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने प्रतिवेदन 'सरकार 2 वर्ष प्रगति एवं उत्कर्ष-2024-25-2026' सदन में रखा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए प्रतिवेदन की विषयवस्तु पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने सदन में कहा था कि दो साल बनाम कांग्रेस के पांच साल पर चर्चा होगी। तो दो साल की चर्चा कैसे हो रही है। वही प्रस्ताव करो।

जूली ने कहा कि संसदीय मंत्री ने प्रस्ताव अलग रखा है। कांग्रेस विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने भी इसका समर्थन किया। इस पर सत्ता पक्ष की ओर से कई मंत्री खड़े होकर बोलने लगे और हंगामा शुरू हो गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधायकों को शांत करवाया। संसदीय कार्यमंत्री पटेल ने कहा, इस प्रगति प्रतिवेदन में वर्तमान सरकार के दो वर्ष के उत्कृष्ट कार्य और उसकी तुलना पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यों से की गई है। प्रतिवेदन की भूमिका सचिवालय ने तय की है इसलिए कांग्रेस सिर्फ भागने की भूमिका बना रही है।

सरकारी सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा, कांग्रेस मैदान से भागने का बहाना ढूंढ रही है। इस पर हंगामा हो गया और जूली ने कहा कि कोई सदन से नहीं भाग रहा सत्ता पक्ष नहीं चाहता कि इस मुद्दे पर बहस हो।

विपक्ष के कई विधायक अपनी बात रखने लगे तो सत्तापक्ष के कई मंत्री भी खड़े होकर बोलने लगे। काफी देर हंगामा होता रहा तो अध्यक्ष देवनानी ने कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। बाद में सभापति ने कार्यवाही आधे घंटे के लिए और स्थगित कर दी। सदन बाद में बैठा तो भी हंगामा जारी था और कार्यवाही आधे घंटे के लिए पांच बजे तक स्थगित की गई।

इससे पहले सुबह सदन में कार्यवाही के दौरान भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायकों की नारेबाजी के कारण कार्यवाही थोड़ी देर के लिए बाधित हुई।

स्कूल में ईंटों से बना ब्लैकबोर्ड गिरा, 6 साल की छात्रा की मौत; बीते साल हुई थी 7 की मौत

जालौर। राजस्थान के जालौर जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां स्कूल में खेल रही छह साल की बच्ची की ईंटों से बने अस्थायी ब्लैकबोर्ड के गिरने से मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब कक्षा 2 की छात्रा प्रीति लंच ब्रेक के दौरान अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। इस हादसे ने बीते साल झालावाड़ में हुई 7 बच्चों की मौत के दुख को फिर जिंदा कर दिया है। इस घटना ने राज्य में चल रहे स्कूल ढांचों की खराब हालत पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने बताया- यह घटना मारूधर शिक्षण संस्थान नामक स्कूल में हुई है। बताया गया कि ब्लैकबोर्ड फाइबर और सीमेंट की ईंटों से बनाया गया था, जो दीवार के सहारे खड़ा था। अचानक यह ढांचा भरभराकर गिर पड़ा और बच्ची मलबे के नीचे दब गई। स्कूल स्टाफ और स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे बाहर निकाला और पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआती जांच में निर्माण कार्य में लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की कक्षाएं अस्थायी ढांचे में चल रहीं थीं। सीमेंट की ईंटों को पांच से सात फीट तक जमाकर दीवार बनाई गई थी और ऊपर बांस के डंडों पर तिरपाल डालकर छत तैयार की गई थी।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की शनिवार को जोधपुर में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात हुई। राज्यपाल बागड़े का उन्होंने अपने निवास पर अभिनंदन किया। शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों ने राज्य और राष्ट्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया।

जयपुर में कांग्रेस कार्यालय की ओर मार्च के दौरान भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

जयपुर/दक्षिण भारत। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जयपुर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राज्य मुख्यालय की ओर मार्च करने की कोशिश की, जिस दौरान पुलिस से संक्षिप्त झड़प हुई। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कथित शर्टलेस प्रदर्शन के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। इस घटना को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। युवा मोर्चा ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह शनिवार को कांग्रेस कार्यालय का घेराव करेगा। इसी क्रम में शनिवार सुबह कार्यकर्ता जयपुर के शहीद स्मारक पर एकत्र हुए और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद वे संसार चंद्र रोड होते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर पैदल मार्च करने लगे। जब प्रदर्शनकारी पार्टी मुख्यालय के नजदीक पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग कर दी।

इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पार करने की कोशिश की, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की हुई। हालांकि, स्थिति को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया।युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा ने प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पर प्रधानमंत्री को निशाना बनाने और राष्ट्रीय हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। इससे पहले शुक्रवार शाम को भी युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने जयपुर में राहुल गांधी का पुतला फूंका और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की थी।शनिवार का यह मार्च नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट से जुड़े घटनाक्रम के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा के जारी प्रदर्शन अभियान का हिस्सा था। वहीं, भारतीय युवा कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि उनका प्रदर्शन इस चिंता को उजागर करने के लिए था कि कॉरपोरेट हितों को राष्ट्रीय हितों पर प्राथमिकता दी जा रही है।

खाटू श्याम का फाल्गुनी मेला शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित विश्व विख्यात तीर्थ खाटू श्यामजी मंदिर में हर साल लगने वाला फाल्गुनी मेला आज से शुरू हो गया है। इस बार यह मेला 21 से 28 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। फाल्गुनी मेले में इस वर्ष लगभग 35 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जहां आस्था, अनुशासन और आधुनिक प्रबंधन का अद्भुत संगम बनेगा। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस, जिला प्रशासन और श्री श्याम मंदिर कमेटी, खाटू श्याम धाम ने आपसी समन्वय से सुरक्षा, यातायात, दर्शन व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं ताकि हर भक्त सुरक्षित, सहज और श्रद्धामय अनुभव के साथ बाबा के दरबार तक पहुंच सके। इस वर्ष की रणनीतियों में तकनीकी नवाचार और श्रद्धालुओं के प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है।पदयात्रियों की परंपरा को सम्मान देते हुए रींगस से खाटू तक 17 किलोमीटर लंबा विशेष पैदल कॉरिडोर तैयार किया गया है। यह पैदल मार्ग पूरी तरह वाहनों से मुक्त रहेगा और अनधिकृत प्रवेश पर सख्त रोक रहेगी। पूरे रास्ते में पेयजल, प्रकाश, शौचालय और विश्राम की सुविधाएं उपलब्ध होंगी जबकि पुलिस बल की सतत निगरानी से सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। यह कॉरिडोर न केवल भीड़ के सुव्यवस्थित प्रवाह को बनाए रखेगा बल्कि पदयात्रा को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) वी.के. सिंह ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से राजस्थान पुलिस ने पूरे क्षेत्र को 22 मुख्य सेक्टर और 350 सब-सेक्टर में विभाजित किया गया है वहीं पांच हजार से अधिक पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को तैनात किया गया है। प्रमुख बिंदुओं पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता, अस्थायी चौकियां और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। पूरे मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राजस्थान पुलिस के सोशल मीडिया यथा इंस्टाग्राम, फेसबुक एवं एक्स पर मेले से संबंधित समस्त प्रकार की सूचनाओं को प्रसारित किया जाएगा। सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि मंदिर परिसर और प्रमुख प्रवेश द्वारों पर 44 डिजिटल एलईडी स्क्रीन स्थापित की गई हैं, जिन पर दर्शन की अनुमानित प्रतीक्षा अवधि, पार्किंग उपलब्धता, सुरक्षा निर्देश, आपातकालीन नंबर, आरती समय और मौसम अलर्ट प्रदर्शित होंगे। गुमशुदा व्यक्तियों और सामान की जानकारी भी लाइव प्रसारित की जाएगी।

इसके साथ ही क्यूआर कोड आधारित मार्गदर्शन प्रणाली श्रद्धालुओं को आसान नेविगेशन में मदद करेगी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार मेला परिसर में 12 स्थानों पर पुलिस सहायता बूथ स्थापित किए गए हैं जो कि आपस में लेंडलाइन फोन और वायरलेस सुविधायुक्त रहेंगे। यहां पर श्रद्धालुओं को किसी भी तरह समस्या होने पर त्वरित सहायता मिलेगी। यहां पर किसी के परिजन अथवा सामान के खोने या पाने की स्थिति में भी सूचना दी जा सकेगी। यहां नियुक्त कार्मिक श्रद्धालुओं की जरूरत के अनुसार सूचना संप्रेषण में मदद करेंगे। मंदिर कमेटी द्वारा 27 फरवरी को प्रातः 10:30 बजे एकादशी के पावन अवसर पर भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी, जो मंदिर से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। संकीर्ण और संवेदनशील स्थानों पर विशेष बैरिकेडिंग, मजिस्ट्रेट तैनाती और अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। भीड़ नियंत्रण के लिए पूर्व निर्धारित डायवर्जन योजना लागू रहेगी, ताकि श्रद्धा और सुरक्षा का संतुलन बना रहे।

अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया

प्रयागराज/भाषा। प्रयागराज की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ बटुकों के साथ यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए झूंसी पुलिस थाने के प्रभारी को प्राथमिकी दर्ज करने का शनिवार को आदेश दिया। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज और अन्य द्वारा बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत दाखिल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने पिछले सप्ताह साक्ष्यों को देखने और पीड़ित बटुकों का बयान दर्ज करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बीएनएस की धारा 69, 74, 75, 76, 79 और 109 के साथ ही पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/5/9 और 17 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने का आग्रह करते हुए यह आवेदन दाखिल किया था।

तकनीक के भविष्य की ओर अग्रसर है बिहार : ब्रिटेन के मंत्री कनिष्क नारायण

पटना/भाषा। ब्रिटेन के एआई और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री कनिष्क नारायण दो दशकों से अधिक समय के बाद शनिवार को बिहार लौटे। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि राज्य तकनीक के भविष्य की ओर अग्रसर है । नारायण सुबह पटना पहुंचे और उन्होंने जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से उनके आवास पर मुलाकात की।

नारायण ने कहा, जन्म यहीं हुआ, मैं 20 से अधिक वर्षों के बाद वापस आया हूं। आप यहां व्यापक प्रगति होते देख सकते हैं। ब्रिटेन की तरह ही बिहार भी तकनीक के भविष्य की ओर अग्रसर है। वे नई दिल्ली में 16 से 21 फरवरी तक आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में भाग लेने के लिए भारत आए हैं। नारायण ने कहा, बिहार आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है और मैं जल्द ही मुजफ्फरपुर के लिए रवाना होऊंगा, जहां मेरा बचपन बीता था। जदयू नेता झा ने संकेत दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में बिहार और ब्रिटेन के बीच सहयोग की संभावनाएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, इस मिट्टी का बेटा होने के नाते, वह निश्चित रूप से इस विषय पर कुछ समर्थन जुटाने का प्रयास करेंगे।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव: एक मार्च से केंद्रीय बलों की होगी तैनाती

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की लगभग 480 कंपनियां एक मार्च से तैनात की जाएंगी। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल का कार्य क्षेत्र में नियंत्रण स्थापित करना, विश्वास कायम करने के उपाय करना और चुनाव से संबंधित अन्य कार्य करना होगा। ये कंपनियां चुनाव प्रक्रिया के दौरान स्ट्रांग रूम और मतगणना केंद्रों पर ईवीएम की सुरक्षा भी करेंगी। राज्य में विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों में होने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि लगभग 240 कंपनियों का पहला समूह एक मार्च को तैनात किया जाएगा जबकि इतनी ही कंपनियां वाला एक समूह 10 मार्च तक अपनी जिम्मेदारी संभालेगा। इन टुकड़ियों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल के जवान शामिल होंगे। राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होने वाली है जबकि चुनाव कार्यक्रम मार्च में घोषित होने की उम्मीद है।

पश्चिम बंगाल सरकार को अब एसआईआर प्रक्रिया में सहयोग करना होगा : रीजीजू

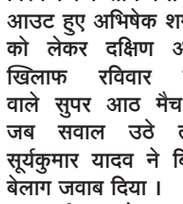

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सहायता के लिए न्यायिक अधिकारियों की तैनाती के उच्चतम न्यायालय के आदेश को शनिवार को अत्यंत महत्वपूर्ण निर्देश बताया और कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार को अब इस प्रक्रिया में पूरा सहयोग करना होगा। रीजीजू ने कहा कि इस मामले में न्यायालय के निर्देश ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को भी पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल मतदाता सूची में अवैध घुसपैठियों को शामिल करके आगामी राज्य विधानसभा चुनाव जीतना चाहती है। पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच जारी गतिरोध पर नाखुशी जताते हुए उच्चतम न्यायालय ने राज्य में एसआईआर प्रक्रिया में आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का ''असाधारण'' निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ रु. का फसल मुआवजा प्रदान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 2.51 लाख से अधिक किसानों को फसल मुआवजे के रूप में 285 करोड़ रुपए प्रदान किए और कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न अनिश्चितताओं से बचाया जाए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत सहायता वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो किसान अपनी फसलों का बीमा कराते हैं, वे आपदाओं से होने वाले नुकसान की स्थिति में वित्तीय सहायता के हकदार हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''राज्य के 2.51 लाख किसान परिवारों को फसल क्षति मुआवजे के रूप में 285 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है। फसल बीमा यह सुनिश्चित करता है कि किसानों को विपत्ति के समय में आर्थिक सहायता मिले। यह राशि हमारे 'अन्नदाता' के लिए एक सहारा है।'' मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को चेक वितरित किए तथा कल्याणकारी योजनाओं और समय पर वित्तीय सहायता के माध्यम से किसानों के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, फसल बीमा मुआवजे के अलावा, आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 3,500 लाभार्थी परिवारों को 175 करोड़ रुपए भी बांटे, जिसके तहत किसान या उसके परिवार के किसी पात्र सदस्य की अचानक मौत होने पर पांच लाख रुपए दिए जाते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस योजना के तहत अब तक 1,000 करोड़ रुपए से ज़्यादा की राशि वितरित की जा चुकी है। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने बागपत, शामली, कासगंज, भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं, झांसी में एक छात्रावास भवन तथा लखनऊ में 'स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो' इकाई का शिलान्यास भी किया।

गुयाना के उपराष्ट्रपति ने अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। गुयाना गणराज्य के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव ने शनिवार को अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन किए, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

एक बयान के अनुसार, जगदेव सुबह करीब 11 बजे एक निजी विमान से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचे। पारंपरिक शंखनाद और अन्य अवधी रीति-रिवाजों के बीच, राज्य सरकार की ओर से अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी सहित जन प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। बाद में जगदेव सड़क मार्ग से मंदिर परिसर की ओर बढ़े और भगवान राम के दर्शन किए।

बयान के मुताबिक, अपनी लगभग एक से डेढ़ घंटे तक चली यात्रा के दौरान गुयाना के उपराष्ट्रपति ने कुबेर टीला और सप्त ऋषि मंदिर सहित परिसर के भीतर अन्य मंदिरों का भी दौरा किया।

राम मंदिर परिसर में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने उपराष्ट्रपति जगदेव का स्वागत किया। मिश्रा के अनुसार, जगदेव ने जारी निर्माण कार्य की भव्यता की प्रशंसा की।

एआई सम्मेलन स्थल पर कांग्रेस का प्रदर्शन देशद्रोह के समान : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर एक बार फिर हमला बोलते हुए विपक्षी पार्टी की युवा इकाई द्वारा यहां 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में किए गए विरोध प्रदर्शन को ''देशद्रोह'' बताया और आरोप लगाया कि ''लश्कर-ए-राहुल के सिपाहियों'' ने देश की छवि खराब करने की कोशिश की।

भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शुक्रवार को एआई सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम के एक प्रदर्शनी हॉल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें वहां से हटा दिया गया। विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ''कांग्रेस ने जो किया है वह सिर्फ राजनीति नहीं है। इसे महज नकारात्मक राजनीति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता, यह देशद्रोह के बराबर है।''

त्रिवेदी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया, ''अब तक राहुल गांधी विदेश जाकर भारत के बारे में अपमानजनक, आपत्तिजनक और निंदनीय बयान देते थे। अब लश्कर-ए-राहुल के झंडाबरदार और सिपाही विदेशी मेहमानों के सामने भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।''

उन्होंने आरोप लगाया कि एआई सम्मेलन स्थल पर हुआ विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के ''ओछेपन'' का ''शर्मनाक प्रदर्शन'' था। भाजपा नेता ने कहा, ''पूरा देश व्यथित और आक्रोशित है। देश की जनता कांग्रेस के इस निंदनीय आचरण को कभी माफ नहीं करेगी।''

सभी भाषाएं समान रूप से सम्मान की पात्र हैं : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। इसी के साथ उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी भाषाएं समान रूप से सम्मान की पात्र हैं और उन्हें किसी भी प्रकार के 'प्रहार' से बचाया जाना चाहिए।

भाषा आंदोलनों के दौरान शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार भाषाई विविधता का सम्मान करती है तथा उसने कई भाषाओं को आधिकारिक मान्यता दी है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बांग्ला न केवल एक समृद्ध साहित्यिक विरासत वाली भाषा है, बल्कि यह सभी भाषाई समुदायों के प्रति सम्मान की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा भी है। उन्होंने कहा, हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि राज्य में हर व्यक्ति को, चाहे वह कोई भी भाषा बोलता हो, उसे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिले।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जानकारी दी कि राज्य सरकार ने विभिन्न भाषाई समूहों के लिए भाषा अकादमियां स्थापित की हैं। उन्होंने कहा, इस पावन दिन पर हम अपना संकल्प दोहराते हैं कि यदि किसी भी भाषा पर प्रहार होता है तो हम सब उसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े होंगे। सभी भाषाएं समान सम्मान की पात्र हैं।

मानव-पशु संघर्षों को रोकने के लिए एसओपी तैयार कर रही झारखंड सरकार : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में मानव-पशु संघर्षों को रोकने, निवारण उपायों को लागू करने और मुआवजे की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर रही है। सोरेन ने विधानसभा में कांग्रेस विधायक रामेश्वर ओरांव के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए राज्य में मनुष्यों-हाथियों के बीच बढ़ते संघर्षों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, इसे ध्यान में रखते हुए, हम न केवल हाथियों के हमलों के लिए बल्कि लकड़बग्घे, भालू और तेंदुए जैसे अन्य जानवरों से जुड़े संघर्षों के लिए भी एक मजबूत एसओपी तैयार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार मुआवजा प्रक्रिया को सरल बना रही है ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर पैसा मिल सके। सोरेन ने बताया कि सरकार 2020-21 से मानव-हाथी संघर्षों के रुझान का अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा, हम हाथियों के रास्तों को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों और अवैध खनन के खिलाफ भी कार्रवाई कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें इस संबंध में ठोस कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया। ओरांव ने बताया कि राज्य में दो सप्ताह में हाथियों के हमले में 23 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा, झारखंड में हाथियों के हमले में मौत होने पर चार लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है जबकि ओडिशा में 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हराया, टी20 श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडीलेड/भाषा। भारत ने उप कप्तान स्मृति मंधाना (82 रन) और करिश्माई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (59 रन) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को यहां निर्णायक तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 17 रन से शिकस्त देकर इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक दशक में पहली द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला अपने नाम की।

मंधाना (55 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के) और रोड्रिग्स (46 गेंद में चार चौके) ने मिलकर 121 रन की साझेदारी निभाकर भारत को छह विकेट पर 176 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया। फिर भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की जिसमें युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल (22 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाली रेणुका सिंह (29 रन देकर एक विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर तीन विकेट पर 32 रन कर दिया। इन शुरुआती झटकों ने भारत के दबदबे भरे प्रदर्शन की शुरुआत की और अंत में उसने मेजबान टीम को 20 आवेर में नौ विकेट पर 159 रन पर रोककर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-1 से यादगार जीत दर्ज की। इस तरह भारत ने 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती। बाएं हाथ की युवा स्पिनर श्री चरणी (32 रन देकर तीन विकेट) ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन विकेट प्राप्त किए। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि शेफाली वर्मा (07) फिर से जल्दी आउट हो गईं। इससे सीरीज में उनका निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। तीसरे ओवर में तेज गेंदबाज किम गार्थ की ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ गेंद को खेलने की कोशिश में शेफाली सीधे जमीन पर ऊंचा शॉट मार बैठीं और अनाबेल सदरलैंड को मिड-ऑन पर कैच देकर पवेलियन लौट गईं जिससे भारत का स्कोर एक विकेट पर 19 रन हो गया था।

चिराग पासवान ने अपनी मां के राज्यसभा चुनाव लड़ने की अटकलों को खारिज किया

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी मां रीना पासवान के आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह राजनीति से दूर रहना चाहती हैं।

लोकजनशक्ति पार्टी (राम विलास) के नेता चिराग पासवान ने शुक्रवार रात पत्रकारों के प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मेरी मां उन पांच राज्यसभा सीटों में से किसी पर भी दावेदार नहीं हैं, जिनके लिए चुनाव घोषित किए गए हैं। वह भले ही एक मां या पत्नी के रूप में सार्वजनिक रूप से दिखाई दी हों, लेकिन वह सक्रिय राजनीति से दूर रहना चाहती हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि राजग को सभी पांचों सीट मिलेंगी।'' बिहार की पांच सीट सहित राज्यसभा की 37 सीट के लिए चुनाव 16 मार्च को होंगे।

वर्तमान में, इन पांच सीट में से दो पर जद(यू), दो पर राजद और एक पर आरएलएम का कब्जा है।

ओडिशा के ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशन का 93.19 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकास होगा

बेरहामपुर/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले में स्थित ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशन का 93.19 करोड़ रुपए के निवेश से पुनर्विकास किया जाएगा। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि पुनर्विकास परियोजना का उद्देश्य स्टेशन को एक आधुनिक, यात्री-अनुकूल, स्मार्ट और टिकाऊ परिवहन केंद्र में बदलना है, जो भविष्य की बढ़ती मांगों को आसानी से पूरा कर सके। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत तीन मंजिला स्टेशन भवन का निर्माण किया जाएगा, 12 मीटर चौड़ा फुटओवर ब्रिज बनाया जाएगा, त्वरित जल निकासी प्रणाली विकसित की जाएगी, प्लेटफार्म का विस्तार किया जाएगा तथा बसों के लिए दो लेन वाले विशेष 'ड्रॉप पॉइंट' (बस अड्डा) बनाए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि पुनर्विकास किए जा रहे स्टेशन में 500 यात्रियों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, पांच एस्केलेटर और आठ लिफ्ट भी होंगी। पूर्वी तट रेलवे के अधिकारी ने बताया कि स्टेशन में आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल सुविधाएं जैसे कि हरित भवन मानक, छतों पर सौर पैनल, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण प्रणाली, उचित पृथक्करण के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली होंगी।

मैं उन लोगों को लेकर चिंतित हूं जो अभिषेक की फॉर्म की चिंता कर रहे हैं : सूर्यकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। टी20 विश्व कप के तीन मैचों में शून्य पर आउट हुए अभिषेक शर्मा के फॉर्म को लेकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले सुपर आठ मैच से पहले जब सवाल उठे तो कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बिंदास और बेलाग जवाब दिया ।

सूर्यकुमार ने कहा ,'' मैं उन लोगों को लेकर चिंतित हूं जो अभिषेक की फॉर्म की चिंता कर रहे हैं । उन्हें अभिषेक के फॉर्म की इतनी चिंता क्यो है ।''

उन्होंने कहा ,'' पिछले साल अभिषेक ने हम सभी को कवर किया और अब उसे कवर करना हमारी जिम्मेदारी है ।''

पिछले एक साल में अभिषेक की उपलब्धियों की ओर इशारा करते हुए सूर्यकुमार ने कहा , '' मैं उन टीमों के बारे में सोच रहा हूं जो उसके खिलाफ खेलने वाली हैं कि उसने एक भी रन नहीं बनाया है । आपको बाकी के जवाब तो पता है । जब वह रन बनाता है

तो क्या होता है । टीम खेल में यह होता रहता है ।''

अभिषेक को लगातार मैचों में आफ स्पिनर ने आउट किया है और वह स्लॉग शॉट खेलते समय विकेट गंवा बैठे हैं । लेकिन सूर्यकुमार इसे लेकर चिंतित नहीं हैं ।

सूर्यकुमार ने कहा ,'' टीम को अभिषेक से एक खास प्रकार के खेल की जरूरत है और वह यही कोशिश कर रहा है । हम नहीं चाहते कि वह अपनी पहचान खो दे । अगर यह तरीका काम नहीं करता है तो उसे कवर करने के लिए हम हैं ।''

दक्षिण अफ्रीका के अभ्यास सत्र में कप्तान एडेन मार्क्रम दो कोन रखकर गेंदबाजी करते दिखे जिनमें एक आफ स्टिक पर और दूसरा लेग स्टिक पर रखा था । इसी तरीके से सलमान अली आगा और आर्यन दत्त को अभिषेक के खिलाफ कामयाबी मिली थी ।

सूर्यकुमार ने कहा ,'' वे आफ स्पिनर लगायें या बायें हाथ के स्पिनर , हमने काफी क्रिकेट खेली है और सभी तैयार हैं । हम फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते हैं, घरेलू क्रिकेट खेलते हैं । उसमें आफ स्पिनर भी कई बार नई गेंद से बायें हाथ के बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं । हम सभी को अपनी रणनीति पता है ।''

जेमिमा के रवैये से लय हासिल करने में मदद मिली : स्मृति मंधाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडीलेड/भाषा। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि जेमिमा रौड्रिग्स के साहसी रवैये से उन्हें धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल करने में मदद मिली जिसके दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टी20 मैच में शनिवार को 17 रन से हराया । मंधाना ने 82 रन बनाये जबकि जेमिमा ने 59 रन की पारी खेली और दोनों ने 121 रन की साझेदारी करके भारत को छह विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया । इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट पर 159 रन पर रोक दिया ।

मंधाना ने मैच के बाद कहा ,'' जब वह आई तब मैं 16 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रही थी । उसने आकर तीन चार चौके लगाये और मुझे लय हासिल करने के लिए समय मिल गया ।'' उन्होंने कहा ,'' ये छोटी छोटी चीजें हैं जिन पर ध्यान नहीं जाता लेकिन मुझे लगता कि उसके आकर दो तीन चौके लगाने से मुझे लय हासिल करने में मदद मिली । लिहाजा इसका श्रेय उसे जाता है ।'' उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराना बड़ी उपलब्ध है लेकिन टीम की नजरें अब ब्रिसबेन में मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला पर है । मंधाना ने कहा श्रृंखला जीतने में योगदान देना अच्छा रहा । ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराना खास है ।

सुविचार

या तो मशहूर आदमी बदनाम होता है या फिर बदनाम आदमी मशहूर होता है।

ट्वीट

सभी श्रद्धालुओं को श्री खाटू श्याम लक्खी मेला के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं! श्रद्धा और विश्वास का यह संगम हर भक्त के जीवन में खुशियां लेकर आए। हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा!

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान के माननीय राज्यपाल आदरणीय श्री हरिभाऊ बागड़े जी जोधपुर प्रवास के दौरान आज मेरे निवास पर पधारे। उनका सादर स्वागत एवं अभिनंदन किया। वे विशाल अनुभव रखते हैं, सम्मानपूर्वक चर्चा में जिसका लाभ मुझे भी मिला।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

कहानी

इन्सानियत

करतारसिंह दुग्गल

अनुवाद - कीर्ति केसर

बलौच सिपाही मिल्टरी के ट्रक में मुर्गों की तरह लद गये थे। उनका सामान वैपन-कैरियर में सुबह भेज दिया गया था। हर फौजी के पास सिर्फ अपनी-अपनी बन्दूक थी। समय ही कुछ ऐसा था कि बन्दूकों पर संगीनें हर समय चढ़ी रहती थीं।

बलौच फौज़ियों की इस टुकड़ी का सरदार एक रमजान खान नाम का जमादार था, जिसे सभी 'मौलवी जी, मौलवी जी' कहते थे। चलती लारी में जमादार नमांज पढ़ने के लिए खड़े हो जाते। फसादों में लाशों के ढेर के आगे मुस्सला बिछाकर लोगों ने नमांज के समय उन्हें नमाज पढ़ते देखा था। एक सिपाही उनकी दायीं तरफ बन्दूक लेकर खड़ा होता और एक सिपाही उनकी बायीं तरफ। देश विभाजन के बाद अमृतसर क्षेत्र से मुसलमानों को निकाल-निकालकर वे पाकिस्तान भेजते। जली हुई मस्जिदों के सामने लारी रुकवाकर ये रोने लगते।

और अब उनका काम खत्म हो चुका था। कोई भी मुसलमान ऐसा नहीं रह गया था जिसे मौलवी ने पाकिस्तान की स्वर्ग-सी जमीन पर न भिजवा दिया हो। जो अपने घरबार छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे, उन्हें मौलवीजी इस्लामी राज्य के सुन्दर चित्र दिखाते और कोई भी उनका कहना टाल न पाता। और आज अब लारी चलने लगी तो मौलवीजी को अचानक खयाल आया भगवान तो सभी का एक है। अमृतसर के हरिमन्दिर की नींव एक मुसलमान फकीर ने रखी थी, गुरु नानक को अहले-सुन्नत भी अपना पीर मानते हैं और मौलवीजी ने दूर गुरुद्वारे के चमकते हुए सुनहरे कलशों को देखकर सिर झुका दिया। लारी चली तो ठंडी हवा के पहले झोंके साथ ही मौलवीजी की आंखें मुंदने लगीं। मौलवाजी की आंखें मुंदीं तो फसादों के वीभत्स दृश्य उनकी आंखों के सामने उभरने लगे। किस तरह मुसलमानों ने हिन्दू-सिखों के टुकड़े-टुकड़े किये थे और किस तरह हिन्दू-सिखों ने मुसलमानों से गिन-गिनकर बदले लिये थे। कोई कहतापहले हिन्दूओं ने की थी, कोई कहता मुसलमानों ने की थी...। जमादार रमजान खान ऐसे ही खयालों में खोया हुआ था कि सड़क से एक खौंफनाक चीख के बाद ट्रक में सिपाहियों के हंसने की आवांज आयी। पूछने पर पता चला कि साइकिल पर जा रहे नौजवान सिख के पास से जब लारी गुजरी तो लारी के एक सिपाही ने अपनी संगीन से उसके गले को छलनी कर दिया। वह सिख साइकिल से उछलकर नाली में गिर पड़ा जैसे कोई मेंढक उछलकर गिरता है। इसी घटना पर सिपाही हंस रहे थे। जमादार भी सिख को मारने की इस तरकीब पर हंसने लगा। उसने सोचा चलो एक सिखड़ा और कम हुआ। और अपनी डायरी में दुश्मन के जानी नुकसान के ब्यौरे में उसने एक नम्बर और बढ़ा लिया।

ट्रक से हंसी अभी थमी नहीं थी कि सड़क से फिर एक भयानक चीख सुनाई दी। इस बार आवांज किसी औरत की थी। और लारी में कहकहों की आवांज और ऊंची हो गयी। दूध बेचकर गांव जा रही किसी ग्वालिन को इस बार निशाना बनाया गया था। संगीन की नोक ग्वालिन की चोटी में जाकर लगी थी और उसके बालों की लट संगीन के साथ कट कर आ गयी थी और ग्वालिन का बर्तन एक तरफ गिर गया था और ग्वालिन दूसरी तरफ ढेर हो गयी थी। फिर बलौची सिपाही बारी-बारी से बालों की लट की चुमने लगे थे। जब सभी ने अरमान पूरे कर लिये तो जमादार ने बालों की लट लेकर अपनी डायरी में रख ली। काफिरों के मुल्क की यह निशानी भी अच्छी रहेगी, उसने मन-ही-मन सोचा।

सुबह की ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। अमृतसर शहर के बाहर सड़क पर कोई इक्का-दुक्का ही आ-जा रहा था। बलौच फौंजियों ने पाकिस्तान की शान में गीत गाने प्रारम्भ कर दिये पाकिस्तान आसमान में चमकता एक तारा हैपाकिस्तान दुनिया में इनसाफ का एक नमूना होगा पाकिस्तान गरीबों और अनाथों का सहारा होगापाकिस्तान में कोई जालिम होगा, न कोई मंजलूम...। इसी तरह गाते-गाते एक सिपाही ट्रक में ड्राइवर के दाहिने आकर बैठ गया, दूसरा जमादार से इजांजत लेकर उनके बायीं ओर बैठ गया। और संगीनों को उन्होंने बाहर निकालकर रख लिया जैसे कोई शिकारी की घात में बैठा हुआ हो। सड़क पर फिर एक औरत नंजर आयी, गले में गातरे वाली कृपाण, कोई सिख नंजर आ रही थी। ड्राइवर ने धीरे-से ट्रक को उसके पास से निकाला और उसके दायीं ओर बैठे बलौच सिपाही ने उस गोल-मटोल गुरु की भक्तिन को जैसे नेजे पर उछाल दिया हो। सुनसान सड़क पर फिर एक चीख सुनाई दी। ट्रक में फिर कहकहे उठे। ड्राइवर ने फिर ट्रक को तेज कर लिया।

और जहां जाकर वह औंधी गिरी, दूर तक सिपाही एड़ियां उठाकर उसे तड़फते हुए देखते रहे। फिर उसके सम्बन्ध में बातें होने लगीं। कोई कहता गुरुद्वारे से आ रही थी तो दूसरा कहता गुरुद्वारे जा रही थी। कुछ का खयाल था कि खा-पीकर मोटी हो रहीथी। और जमादार को समझ नहीं आ रहा था कि वह अपनी डायरी में दुश्मनों के जानी नुकसान के हिसाब में एक औरत लिखे या एक औरत और एक बच्चा। कोई एक मील बाद एक बूढ़ा सडक के किनारे बैठा पेशाब कर रहा था। लारी फिर सड़क छोड़कर कच्चे रास्ते पर आ गयी। इस बार जमादार के बायीं ओर बैठे सिपाही ने बूढ़े की पीठ में संगीन को गाढ़ दिया। बूढ़ा गेंद-सा लुढ़कता खाई में गिर गया। फिर एक चीख की आवांज और फिर कहकहे। लारी फिर तेज हो गयी। जमादार रमजान खान ने सोचा जाते-जाते ये अच्छे शिकार मिल गये। वह बार-बार डायरी खोलता और अपने हिसाब को अप-टू-डेट करता। शहर से जैसे-जैसे वे दूर होते जा रहे थे, वैसे-वैसे खतरा कम होता जा रहा था। बलौच सिपाहियों के हौसले बढ़ते जा रहे थे और उन्हें इस नए खेल में मजा आ रहा था। हवा से बातें करता मिल्टरी का ट्रक जैसे उड़ता जा रहा था। सामने सीमा पर पाकिस्तानी झंडा दिखाई देने लगा था। बलौच सिपाहियों ने झंडे को देखते ही'पाकिस्तान जिन्दाबाद' के पांच नारे लगाये और फिर कोई नगमा गाने लगे। झंडा जरूर नंजर आने लगा था, पर सरहद अभी लगभग तीन मील दूर थी। थोड़ा ही आगे जाकर बलौच सिपाहियों ने देखा कि तीन सिख सड़क पर जा रहे थे, दो-दो दायीं ओर तथा एक बायीं और। तीनों में कोई पचास-पचास कदमों का अन्तर था।

ड्राइवर के पास अगली सीट पर बैठे बलौच सिपाहियों ने आंखों-आंखों से कोई योजना बनायी। और जब सारा नक्शा इशारों-इशारों से सभी की समझ में आ गया तो तीनों मुस्करा पढ़े।फिर ड्राइवर ने ट्रक को दायीं और कच्चे रास्ते पर डाल दिया। अगले ही क्षण एक नौजवान सिख संगीन की नोक से बिंध गया। ट्रक तेज हो गया। नौजवान की चीख सुनकर उसी ओर जा रही औरत ने हैरानी और घबराहट से पीछे मुड़कर देखा। ट्रक उस समय तक उसके सिर पर पहुंच चुका था और तेजी से बाहर आती संगीन उसकी छाती में गढ़ गयी। ट्रक और तेज हो गया। अब बायीं ओर जा रहे बूढ़े की बारी थी। बूढ़ा जैसे ऊंचा सुनता हो, उसे कुछ भी सुनाई नहीं दिया था। ड्राइवर बड़े साहस से ट्रक को सड़क पर ले आया और फिर बायीं ओर कच्चे रास्ते पर डाल दिया और पूरी रफ्तार के साथ ट्रक को बूढे क़े पास से निकाला। बूढ़ा भूखा-प्यासा कोई शरणार्थी लग रहा था। संगीन की नोंक चुभते ही उछला और पहिये के आगे जा गिरा। उसकी खोपड़ी ट्रक के भारी पहियों के नीचे कुचल गयी। ड्राइवर ने ट्रक को और तेज कर दिया।

सामने दिख रहा पाकिस्तान का धर्म, सच और न्याय का प्रतीक चांद-तारे वाला झंडा लहरा रहा था। ड्राइवर ने ट्रक को और तेज कर दिया। अपने देश से आ रही प्यार-भरी तेज हवाएं जैसे बलौच सिपाहियों का स्वागत कर रही थीं और एक नशे में बलौच सिपाही 'अल्लाह हू अकबर' और 'पाकिस्तान जिन्दाबाद' के नारे लगा रहे थे। सिपाही नारे लगाते जा रहे थे, ड्राइवर ट्रक की रफ्तार को बढ़ाता जा रहा था। तभी ड्राइवर ने देखा कि अचानक एक जंगली बिल्ली कूद कर सड़क के बीच में आ गयी। ड्राइवर ने बिल्ली को देखा, जमादार ने भी बिल्ली को देखा। ''इनसानियत का तकाजा...'' इस तरह हुक्म उसके मुंह में ही था कि ड्राइवर ने खुद ही ट्रक को एक तरफ करते हुए बिल्ली को बचाने की कोशिश की। बिल्ली तो बच गयी, पर इतनी तेज जा रहे ट्रक कर हैंडल मुड़ा तो फिर सम्भाल न सका। ट्रक कच्चे रास्ते पर आ गया, फिर कच्चे रास्ते से उतर कर एक पेड़ से टकराकर उलट गया। ट्रक ने एक करवट ली, फिर दूसरी।

पच्चीस मिली-जुली चीखें निकलीं। और फिर जैसे सभी के गले पकड़ लिए गयें हों, एकदम सन्नाटा छा गया। इंजन के पेट्रोल से ट्रक को आग लग गयी। सड़क पर कोई भी हिंदुस्तानी नहीं था जो बलौच सिपाहियों की मदद के लिए पहुंचता। दूर दिख रहा पाकिस्तान का झंडा वैसे ही लहरा रहा था। घबराहट में सड़क के किनारे कीकर के पेड़ पर बिल्ली चढ़ गयी थी और वहीं से काटों में से आखें फाडे ज़ल रहे ट्रक को देख रही थी और हैरान हो रही थी।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

भाषाई अस्मिता

कुछ वर्ष पहले की घटना है। प्रश्नमंजूषा का एक कार्यक्रम चैनल पर चल रहा था। प्रश्न पूछा गया कि चौरानवे में से चौवन घटाने पर कितना शेष बचेगा? सुनने पर यह प्रश्न बहुत सरल लगता है पर प्रश्न के मूल में 94 - 54 = 40 है ही नहीं। प्रश्न के मूल में है कि उत्तरकर्ता को चौरानवे और चौवन का अर्थ पता है या नहीं।

हमारी धरती पर हमारी ही भाषा के अंक और शब्द जिस तरह से निरंतर हमसे दूर हो रहे हैं, उनके चलते संभव है कि भविष्य में किसी प्रश्नमंजूषा में पूछा जाए कि माँ और बेटा साथ जा रहे हैं, बताओ कि उम्र में दोनों में कौन बड़ा है? प्रश्न बचकाना लग सकता है पर केवल उनको जिन्हें माँ और बेटा का अर्थ पता होगा। बाकियों को तो उत्तर से पहले इन शब्दों के परदेसी अर्थ क्रमश: 'मदर' और 'सन' तक पहुँचना होगा। कुछ मित्रों की दृष्टि में यह अतिश्योक्ति हो सकती है पर अतिश्योक्ति होते तो हम हर दिन देख रहे हैं।

आज, हमारी भाषाओं के अंकों का उच्चारण न केवल कठिन मान लिया गया है, बल्कि मज़ाक का विषय भी बनने लगा है। भविष्य में शब्द समाप्त होने लगेंगे.., लेकिन ठहरिए, समय अधिक नहीं है। भविष्य दहलीज़ पर खड़ा है। कुछ शब्द तो उसने वहाँ खड़े-खड़े ही गड़प लिए हैं। बकौल डेविड क्रिस्टल, 'एक शब्द की मृत्यु, एक व्यक्ति की मृत्यु के समान है।'

प्रश्न है कि हमारी भाषाई संपदा की अकाल मृत्यु के लिए उत्तरदायी कौन है? क्या केवल व्यवस्था पर इसका दोष मढ़ देना उचित है? निश्चित ही व्यवस्था, विशेषकर शिक्षा के माध्यम का इसमें बड़ा हाथ है। तथापि लोकतांत्रिक व्यवस्था की इकाई नागरिक होता है। इकाई की भूमिका क्या है? अब यह बहाना न तलाशा जाय कि दिन भर रोज़ी-रोटी के लिए खटने के बाद समय और शक्ति कहाँ बचती है कि कुछ और किया जाय? समाचार, क्रिकेट, फिल्में, सोशल मीडिया, शेयर मार्केट, सीरियल, ओ.टी.टी. सबके लिए समय है पर अपनी भाषा की साँसें बचाये रखने के नाम पर विवशता का रोना है।

कहा गया है, 'धारयेत इति धर्म:।' अनेक घरों में अकादमिक शिक्षा के अलावा निजी स्तर पर अनिवार्य धार्मिक शिक्षा का प्रावधान है। क्या अपनी सभ्यता और संस्कृति से जुड़ी भाषा और मातृभाषा में बच्चों को पारंगत करना हमारा धर्म नहीं होना चाहिए? इकाई यदि सुप्त होगी तो समुदाय भी सुप्त होगा और जो सुप्त है, उसका ह्रास और कालांतर में विनाश निश्चित है।

अपने पुत्रों की मृत्यु से आहत गांधारी ने महाभारत युद्ध की समाप्ति पर श्रीकृष्ण को श्राप दिया कि उनके वंश का नाश हो जाएगा। माधव सारी स्थितियों से भली-भाँति परिचित थे। बोले, 'जैसे आशीष, वैसे आपका श्राप भी सिर-माथे पर।..हाँ एक बात है, आप श्राप देती या न देती, हम जिस प्रकार अपने कर्मों से दूर होकर सुप्त हुए जा रहे हैं, उसे देखते हुए उनका नाश तो यूँ भी निश्चित है।' मुद्दा यही है। अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था का श्राप तो है ही, प्रश्न हमारी अपनी सुप्त अवस्था का भी है। शब्दों का भाषा से दूर होते जाना एक तरह से भाषा का चीरहरण है। शनै: शनै: चीर और छोटा होता जाएगा। क्या हम भाषाई अस्मिता को इसी कुचक्र में फँसते देखना चाहते हैं?

अभी भी समय है। सामूहिक प्रयत्नों से हम सब मिलकर योगेश्वर की भूमिका में आ सकते हैं, ताकि चीर अपरिमित हो जाए और उतारने वालों के हाथ थक कर चूर हो जाएँ। आइए साथ में जुटें। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस है और आपकी भाषा को आपकी प्रतीक्षा है।

बोध कथा

कुएं का पानी

एक किसान बहुत परेशान था। उसे अपने खेतों को सींचने के लिए पानी की जरूरत थी। इसलिए, वह कई दिनों से अपनी जमीन के आसपास किसी कुएं की तलाश कर रहा था। इसी तलाश में वह घूम ही रहा था कि अचानक उसे एक कुआं दिखा। यह कुआं उसके खेतों से बहुत नजदीक था। इसलिए, किसान बहुत खुश हुआ। उसने सोचा कि अब उसकी परेशानी खत्म हो गई। यह सोचकर वह खुशी-खुशी घर चला गया।

अगले दिन वह पानी लेने कुएं पर पहुंचा। जैसे ही उसने कुएं के नजदीक रखी बाल्टी कुएं में डाली, वहां एक आदमी आ धमका। वह किसान से बोला, यह कुआं मेरा है। तुम इससे पानी नहीं ले सकते। अगर तुम इस कुएं से पानी लेना चाहते हो, तो तुम्हें इस कुएं को खरीदना होगा। यह बात सुनकर किसान कुछ देर रुका और फिर मन ही मन सोचने लगा कि अगर मैं इस कुएं को खरीद लूं, तो मुझे कभी पानी की कमी नहीं होगी और न ही मुझे पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ेगा। फिर क्या था, दोनों के बीच एक रकम तय हुई। किसान के पास उतने पैसे तो थे नहीं, लेकिन वह यह मौका छोड़ना नहीं चाहता था। इसलिए, किसान ने उस आदमी को अगले दिन वह रकम देने का वादा किया और घर की ओर चल दिया।

किसान के लिए कुआं खरीदने का यह अच्छा मौका था। इसलिए, वह इस काम में जरा भी देर नहीं करना चाहता था। घर पहुंचते ही उसने अपने करीबियों और दोस्तों से इस बारे में बात की और कुएं के लिए तय हुई रकम का इंतजाम करने में जुट गया। थोड़ी भागदौड़ और कोशिश के बाद आखिरकार उसने वह रकम जमा कर ली। अब वह पूरी तरह से निश्चिंत हो चुका था कि उसे कुआं खरीदने से कोई नहीं रोक सकता। जमा हुए पैसों को लेकर वह फिर घर चल दिया। उसे बड़ी बेसब्री से इंतजार था कि कब रात खत्म होगी और वह कुआं खरीदने जाएगा। इसी सोच में वह पूरी रात सो नहीं सका। अगले दिन सुबह होते ही वह कुआं खरीदने निकल पड़ा। उस आदमी के घर पहुंच किसान ने उसके हाथ पर पैसे रखे और कुएं को खरीद लिया। अब तो कुआं किसान का हो गया था तो फिर उसने पानी निकालने में देर नहीं की। जैसे ही किसान ने कुएं से पानी निकालने के लिए बाल्टी उठाई, उस आदमी ने फिर बोला ठहरो, तुम इस कुएं से पानी नहीं निकाल सकते हो। मैंने तुम्हें कुआं बेचा है, कुएं का पानी अभी भी मेरा है। किसान मायूस हो गया और न्याय के लिए राजा के दरबार में शिकायत करने पहुंच गया।

मालूम है उस राजा का नाम क्या था? राजा अकबर। राजा अकबर ने उस किसान की पूरी कहानी सुनी और फिर उस आदमी को दरबार में बुलाया, जिसने वह कुआं बेचा था। राजा का फरमान सुनते ही वह आदमी भागा-भागा दरबार में हाजिर हो गया। राजा ने उससे पूछा, जब तुमने इस किसान को अपना कुआं बेच दिया, तो फिर इसे पानी क्यों नहीं लेने दे रहे हो।

आदमी बोला, महाराज मैंने इसे केवल कुआं बेचा था, पानी नहीं। यह बात सुनकर राजा भी सोच में पड़ गए। उन्होंने कहा कि बात तो यह पते की कह रहा है, कुआं बेचा है, पानी तो नहीं। काफी देर सोचने के बाद जब इस समस्या को सुलझाने में वह नाकाम हो गए, तो उन्होंने बीरबल को बुलाया। बीरबल बहुत ही बुद्धिमान था। इसलिए, राजा अकबर किसी भी मामले पर फैसला लेने से पहले उसकी राय जरूर लेते थे। बीरबल ने एक बार फिर दोनों से उनकी समस्या पूछी। पूरी बात जानने के बाद बीरबल ने उस आदमी से कहा ठीक है, तुमने कुआं बेचा पानी नहीं। फिर तुम्हारा पानी किसान के कुएं में क्या कर रहा है? कुआं तुम्हारा नहीं है, फौरन अपने पानी को कुएं से बाहर निकालो। बीरबल का इतना कहते ही, उस आदमी को समझ आ गया कि अब उसकी चालाकी किसी काम नहीं आने वाली। उसने राजा से फौरन माफी मांगी और माना कि कुएं के साथ उसके पानी पर भी किसान का पूरा अधिकार है। यह देखकर राजा अकबर ने बीरबल की बुद्धिमानी की तारीफ की और कुआं बेचने वाले आदमी पर धोखेबाजी के लिए जुर्माना लगाया।

साधु और चूहा

महिलरोपयम नामक एक दक्षिणी शहर के पास भगवान शिव का एक मंदिर था। वहां एक पवित्र ऋषि रहते थे और मंदिर की देखभाल करते थे। वे भिक्षा के लिए शहर में हर रोज जाते थे, और भोजन के लिए शाम को वापस आते थे। वे अपनी आवश्यकता से अधिक एकत्र कर लेते थे और बाकि का बर्तन में डाल कर गरीब मजदूरों में बाँट देते थे जो बदले में मंदिर की सफाई करते थे और उसे सजावट का काम किया करते थे।

उसी आश्रम में एक चूहा भी अपने बिल में रहता था और हर रोज कटोरे में से कुछ न कुछ भोजन चुरा लेता था।

जब साधु को एहसास हुआ कि एक चूहा भोजन चोरी करता है तो उन्होंने इसे रोकने के लिए सभी तरह की कोशिशें की। उन्होंने कटोरे को काफी उचाई पर रखा ताकि चूहा वहां तक पहुँच न सके, और यहां तक कि एक छड़ी के साथ चूहे को मार भगाने की भी कोशिश की, लेकिन चूहा किसी भी तरह कटोरे तक पहुंचने का रास्ता ढूंढ लेता और कुछ भोजन चुरा लेता था।

एक दिन, एक भिक्षुक मंदिर की यात्रा करने के लिए आये थे। लेकिन साधु का ध्यान तो चूहे को डंडे से मारने में था और वे भिक्षुक से मिल भी नहीं पाए, इसे अपना अपमान समझ भिक्षुक क्रोधित होकर बोले आपके आश्रम में फिर कभी नहीं आऊंगा क्योंकि लगता है मुझसे बात करने के अलावा आपको अन्य काम ज्यादा महत्वपूर्ण लग रहा है।

साधु विनम्रतापूर्वक चूहे से जुडी अपनी परेशानियों के बारे में भिक्षुक को बताते हैं, कि कैसे चूहा उनके पास से भोजन किसी न किसी तरह से चुरा ही लेता है, यह चूहा किसी भी बिल्ली या बन्दर को हरा सकता है अगर बात मेरे कटोरे तक पहुंचने कि हो तो! मैंने हर कोशिशें की हैं लेकिन वो हर बार किसी न किसी तरीके से भोजन चुरा ही लेता है।भिक्षुक ने साधु की परेशानियों को समझा, और सलाह दी, चूहे में इतनी शक्ति, आत्मविश्वास और चंचलता के पीछे अवश्य ही कुछ न कुछ कारण होगा। मुझे यकीन है कि इसने बहुत सारा भोजन जमा कर रखा होगा और यही कारण है कि चूहा अपने आप को बड़ा महसूस करता है और इसी से उसे ऊँचा कूदने कि शक्ति मिलती है। चूहा जानता है कि उसके पास कुछ खोने के लिए नहीं है इसलिए वो डरता नहीं है।

इस प्रकार, साधू और भिक्षुक निष्कर्ष निकालते है कि अगर वे चूहे के बिल तक पहुंचने में सफल होते है तो वे चूहे के भोजन के भंडार तक पहुंचने में सक्षम हो जाएंगे। उन्होंने फैसला किया कि अगली सुबह वो चूहे का पीछा करेंगे और उसके बिल तक पहुंच जाएंगे।अगली सुबह वो चूहे का पीछा करते हैं और उसके बिल के प्रवेश द्वार तक पहुंच जाते है। जब वो खुदाई शुरू करते है तो देखते हैं की चूहे ने अनाज का एक विशाल भंडार बना रखा है, फ़ौरन ही साधु ने सारा चुराया गया भोजन एकत्र करके मंदिर में लिवा ले जाते है।

वापस आने पर अपना सारा अनाज गायब देख चूहा बहुत दुखी हुआ और उसे इस बात से गहरा झटका लगा और उसने सारा आत्मविश्वास खो दिया।

अब चूहे के पास भोजन का भंडार नहीं था, फिर भी उसने फैसला किया कि वो फिर से रात को कटोरे से भोजन चुराएगा। लेकिन जब उसने कटोरे तक पहुँचने की कोशिश की, तब वह धड़ाम से नीच गिर गया और उसे यह एहसास हुआ कि अब न तो उसके पर शक्ति है, और न ही आत्मविश्वास।

उसी समय साधु ने भी छड़ी से उसपर हमला किया। किसी तरह चूहे ने अपनी जान बचायी और भागने में कामयाब रहा और फिर वापस मंदिर कभी नहीं आया।

वीर गाथा

कैप्टन अरुण कुमार : ग्रेनेड की बौछार भी नहीं रोक सकी कदम, 2 आतंकवादियों को किया ढेर

कैप्टन अरुण कुमार का जन्म जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के सौल्की गांव में हुआ था। माता जीत कुमारी और पिता अशोक कुमार के बेटे अरुण भारतीय सेना की कुमाऊं रेजिमेंट में शामिल हुए थे। बाद में उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 13वीं बटालियन में भेज दिया गया।कैप्टन अरुण 11 मई, 2022 को बांदीपोरा में एक सर्विलांस एवं एंबुश टीम का नेतृत्व कर रहे थे। उन्हें खुफिया सूत्रों से आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी। 13 मई को दोपहर लगभग 3 बजे दो आतंकवादी नजर आए। अरुण ने अपने जवानों को सावधान कर दिया था।जैसे ही आतंकवादियों को चुनौती दी गई, वे एक चट्टान के पीछे छिप गए और अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे।

अरुण ने एक बड़ा फैसला लिया। वे गोलीबारी के बीच रेंगते हुए आतंकवादियों के नजदीक पहुंच गए। अचानक एक आतंकवादी ने उनकी ओर दो ग्रेनेड फेंके। सौभाग्य से वे सुरक्षित रहे।कैप्टन अरुण रणनीति के तहत आगे बढ़े। उन्होंने एक आतंकवादी को निशाने पर लिया और उसे वहीं ढेर कर दिया। इसके बाद उन्होंने जगह बदली और दूसरे आतंकवादी को निशाने पर लिया। कुछ समय बाद वह आतंकवादी भी ढेर हो गया।कैप्टन अरुण कुमार ने दो आतंकवादियों का खात्मा करने में कुशल रणनीति, अद्भुत साहस और उत्कृष्ट नेतृत्व का परिचय दिया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

होली

पटना में शनिवार को जीसस एंड मैरी एकेडमी के स्टूडेंटस रंगों के त्योहार से पहले सहारा ओल्ड एज होम के एक बुजुर्ग को गुलाल लगाते हुए।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री की कुर्सी खतरे में है : ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा हाल में घोषित 'रिलीज इमरान खान फोर्स' असंवैधानिक व अवैध है और उन्होंने आशंका जताई कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता की कुर्सी खतरे में है। उनकी यह टिप्पणी उस घोषणा के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें अफरीदी ने अगस्त 2023 से जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीटीआई संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए यह फोर्स बनाने की बात कही थी।

आसिफ ने शुक्रवार को समाचार चैनल 'समा न्यूज' से कहा, मुझे लगता है उनकी (खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री की) कुर्सी खतरे में है और ऐसे बयानों के जरिए वे अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने 'जियो न्यूज' से बातचीत में कहा, संघीय सरकार के अलावा किसी को भी कोई बल गठित करने का अधिकार नहीं है।

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि 'पीटीआई' संस्थापक को विदेश या इस्लामाबाद के बाहरी इलाके में स्थित उनके आवास बानी गाला भेजने को लेकर कभी कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा, शायद सुविधाओं को लेकर कुछ संपर्क हुए हों। कुछ लोग ऐसी बातों से अपना राजनीतिक हित साधने की कोशिश कर रहे हैं।

पीटीआई और बहुदलीय विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज-ए-आईन पाकिस्तान (टीटीएपी) के सांसदों द्वारा इस्लामाबाद में संसद परिसर में कई दिनों से आयोजित किया जा रहा धरना समाप्त करने के बाद 18 फरवरी को अफरीदी ने यह फोर्स बनाने की घोषणा की थी।

उच्चतम न्यायालय के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा था कि जेल में बंद पीटीआई संस्थापक ने उन्हें जन आंदोलन का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी है। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, उन्होंने आरोप लगाया कि अदालती आदेशों को पूरी तरह अनदेखा किया जा रहा है और दावा किया कि खान को अब भी उनके निजी चिकित्सकों से मिलने नहीं दिया जा रहा। क्रिकेटर से नेता बने 73 वर्षीय खान पांच अगस्त 2023 से जेल में हैं और भ्रष्टाचार के कई मामलों का सामना कर रहे हैं। उन्हें एक मामले में दोषी ठहराते हुए 14 वर्ष की सजा सुनाई गई है।

अनावरण

सिनेमा गंज फिल्म्स की आने वाली हिंदी फीचर फिल्म 'लव लॉटरी' के लोगो के अनावरण के दौरान अभिनेता हेली दारूवाला और अक्षय ओबेरॉय।

ट्रंप के खिलाफ शीर्ष अदालत के ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में भारतीय मूल के वकील

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक प्रभाव वाले वैश्विक टैरिफ को निरस्त करने संबंधी ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में एक भारतीय मूल के वकील हैं, जिन्होंने अमेरिका की शीर्ष अदालत में इन शुल्कों की अवैधता के खिलाफ दलील दी।

भारतीय प्रवासी के पुत्र और राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में पूर्व अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल रहे नील कात्याल ने छोटे व्यवसायों की ओर से इस महत्वपूर्ण टैरिफ मामले में बहस की और जीत हासिल की।

फैसला आने के तुरंत बाद कात्याल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विजय।'' कात्याल ने एमएस नाउ के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''आज जो कुछ हुआ है वह अमेरिकी प्रणाली में बेहद खास है। मैं प्रवासी माता-पिता का बेटा हूं, मैं अदालत में गया और अमेरिका के छोटे व्यवसायों की ओर से यह दलील दी, ''देखिए, राष्ट्रपति अवैध तरीके से काम कर रहे हैं।'

पाकिस्तानः विपक्षी दलों ने 11.7 अरब पाकिस्तानी रुपए में विमान खरीदने को लेकर मरियम पर साधा निशाना

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज अपने निजी इस्तेमाल के लिए 11.7 अरब पाकिस्तानी रुपए (पीकेआर) का एक आलीशान विमान खरीदने के मामले में कड़ी आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। स्ट्रैटकॉम ब्यूरो के अनुसार, पंजाब सरकार ने वीआईपी परिवहन के लिए 2019 में निर्मित एक नया गल्फस्ट्रीम जी500 विमान खरीदा है। इसने कहा कि विमान की अनुमानित कीमत लगभग 4.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर (11.7 अरब पीकेआर) है।

पंजाब की सूचना मंत्री आजमा बुखारी ने कहा कि मरियम नवाज प्रशासन ने प्रस्तावित ''एयर पंजाब'' बेड़े के हिस्से के रूप में 19 सीट वाला वीआईपी विमान हासिल किया है। विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और जमात-ए-इस्लामी ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज की सार्वजनिक निधि का इस्तेमाल अपने निजी विलासितापूर्ण जीवन शैली के लिए करने के लिए कड़ी आलोचना की। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने कहा, ''पंजाब की मुख्यमंत्री ने 11,000 करोड़ पीकेआर की लागत से एक विमान खरीदा है।

'नैना' की कहानी मेरी भी कहानी है : संदीपा धर

मुंबई/एजेन्सी

रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा अभिनेत्री संदीपा धर ने दमदार किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने रिलीज के दिन सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने दिल की बात बयां की। अभिनेत्री संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर कुछ बीटीएस तस्वीरें शामिल हैं, जिनमें वे नैना के किरदार में नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके साथ मृणाल, सिद्धांत और फिल्म के अन्य कलाकार भी नजर आ रहे हैं। संदीपा ने लिखा, नैना अब आपकी है। मैं करीब एक साल से इस किरदार के साथ जुड़ी हुई हूं। इसने मुझे उन बातों पर सोचने को मजबूर कर दिया, जिनसे मैं भागना चाहती थी। उन्होंने लिखा कि अक्सर हम लोग किसी को पसंद आने के लिए अपने आपको बदलने लगते हैं और फिर भी लगता है कि हम अच्छे नहीं हैं। आईने में देखकर सिर्फ अपनी कमियां ही क्यों दिखती हैं? उन्होंने लिखा, नैना की कहानी मेरी कहानी है। शायद आपकी भी। मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है। मैं भी सीख रही हूं, लेकिन इतना जरूर जानती हूं कि हमें बार-बार उन लोगों को अपनी वैल्यू साबित करने की जरूरत नहीं, हमें कभी समझ ही नहीं पाएंगे। हमें अपनी किस्मत खुद समझनी चाहिए।

अभिनेत्री ने पोस्ट के अंत में लिखा, अगर कभी आपको लगे कि आप काफी नहीं हैं, तो ये कहानी आपके लिए है। अगर आपने कभी किसी के लिए खुद को खो दिया, तो ये कहानी आपके लिए है। आइए, हम सब मिलकर खुद को फिर से ढूंढें। 'दो दीवाने सहर में' अब सिनेमाघरों में उपलब्ध है। फिल्म 'दो दीवाने सहर में' प्यार, रिश्तों और खुद को समझने की खूबसूरत कहानी है, जिसमें परफेक्ट होने को महत्व न देकर खुद को खुलकर जीने पर जोर दिया गया है।

फिल्म में सिद्धांत ने एक ऐसे लड़के का किरदार निभाया है, जो श को भी स बोलता है, जिस वजह से उसे हर कोई आंकता है, हालांकि फिल्म का नाम भी इस वजह से 'दो दीवाने सहर में' रखा गया है। फिल्म का निर्देशन रवि उद्यावर ने किया है। वहीं, संजय लीला भंसाली के साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार मिलकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। मृणाल और सिद्धांत के अलावा, फिल्म में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयेशा रजा, संदीपा धर समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

रणवीर सिंह धमकी मामला : अमेरिकी नंबर का इस्तेमाल कर हैरी बॉक्सर ने मांगे थे 10 करोड़ रुपए

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस अलर्ट मोड पर है। जांच में आए दिन नई-नई जानकारी प्राप्त हो रही है। लेटेस्ट अपडेट है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर (हरी चंद जाट उर्फ हैरी बॉक्सर) ने व्हाटसएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है। जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के बाद रणवीर सिंह की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर सिंह के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर नहीं की है, लेकिन प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। रणवीर सिंह ने मैसेज मिलते ही तुरंत मुंबई पुलिस को सूचना दी थी।

'सांड की आंख' से लेकर 'पिंक' तकः तापसी पन्नू की इन फिल्मों ने बदला समाज का नजरिया

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा पर लंबे समय से अभिनेताओं और बड़े स्तर की फिल्मों का कब्जा रहा है, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी हासिल की और दर्शक भी खुद को थिएटर में सीटी बजाने से नहीं रोक पाए। अब बदलते समय के साथ महिला प्रधान फिल्मों ने भी हिंदी सिनेमा में अलग जगह बना ली है और लगभग हर अभिनेत्री बिना किसी मेन लीड के सहारे फिल्मों में अपनी धाक जमा रही है। आज तापसी पन्नू की 'अस्सी' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और अगर उनके करियर के पन्नों को पलटा जाए तो उन्होंने कई ऐसी महिला प्रधान फिल्में की हैं, जिन्होंने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। सिर्फ सिनेमाघर ही नहीं, बल्कि ओटीटी पर भी तापसी ने महिला प्रधान फिल्मों से फैंस का दिल जीता है। उनकी साल 2019 में आई 'बदला' ने ओटीटी पर नई लहर की शुरुआत की थी, जिसमें अपने प्रेमी के ही मर्डर केस में फंसी तापसी खुद के बेकसूर साबित करने की लड़ाई लड़ती हैं। 'बदला' में उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी और आईएमडीबी पर रेटिंग 7.7 थी।

'बदला' से पहले तापसी ने 'पिंक' में काम किया था, जिसका डायलॉग 'नो मींस नो' ने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया था। फिल्म में महिलाओं की मर्जी और उनकी भावनाओं को तवज्जो दी थी और समाज की संकीर्ण धारणाओं पर प्रहार किया था। साल 2020 में तापसी 'थप्पड़' को लेकर आई, जिसमें महिलाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा को उजागर किया गया और बताया गया कि शुरुआत एक थप्पड़ से ही होती है। फिल्म में सिर्फ 'एक थप्पड़' के कारण रिश्तों और सम्मान के सवाल को उठाया गया है, जिसके लिए इसे खूब सराहना मिली। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और वर्ल्ड वाइड 44 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया।

'सांड की आंख' फिल्म को भी नहीं भुलाया जा सकता है, जिसमें तापसी ने प्रकाशी तोमर का रोल निभाया था। यह फिल्म साठ साल की दो बहनों चंद्रो और प्रकाशी के जीवन पर बनी थी, जो 60 साल की उम्र के बाद निशानेबाजी में आई और कई पुरस्कार भी अपने नाम किए। फिल्म में पितृसत्तात्मक और रुढ़िवादी सोच को भी बखूबी दिखाया गया। साल 2021 में आई रश्मि रॉकेट भले ही पर्दे पर कमाल नहीं कर पाई, लेकिन फिल्म भारतीय महिला खिलाड़ियों के संघर्ष पर बनी है। फिल्म में छोटे से गांव से निकली रश्मि वीरा अपने सपनों को उड़ान देने के लिए कई संघर्षों से गुजरती है। फिल्म में महिला खिलाड़ियों के साथ होने वाले भेदभाव, जेंडर टेस्टिंग और हाइपरएंड्रोजेनिज्म के मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। इसके अलावा लिस्ट में तापसी की 'हसीन दिलरुबा', 'ब्लर', 'शाबाश मिठू', और 'नाम शबाना' जैसी फिल्में भी शामिल हैं।

आंख मूंदकर परंपराएं मानने में विश्वास नहीं : श्रेया जैन

नई दिल्ली/एजेन्सी

टीवी चैनल सन नियो पर प्रसारित 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी' राजस्थान की पृष्ठभूमि में परंपरा और आधुनिकता के टकराव को दर्शाता है। इस शो में वैष्णवी का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री श्रेया जैन इन दिनों दर्शकों के बीच चर्चा में हैं। वह अपनी भूमिका के जरिए खोखली परंपराओं के खिलाफ आवाज उठाती है। उन्होंने इस पर बातचीत करते हुए अपने विचार साझा किए। 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी' में श्रेया जैन 'वैष्णवी' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने अपने रोल को लेकर कहा, ''मेरा किरदार वैष्णवी एक ऐसी लड़की है जो परंपराओं का सम्मान करती है, लेकिन आंख मूंदकर उन्हें मानने में विश्वास नहीं रखती। वह आधुनिक सोच की लड़की है, वह सवाल करती है, समझने की कोशिश करती है और बराबरी के रिश्तों की उम्मीद रखती है। मेरा किरदार उन सामाजिक मान्यताओं को चुनौती देता है, जिनमें आज भी महिलाओं को सीमाओं में बांधकर देखा जाता है।'' श्रेया ने कहा, मेरे किरदार वैष्णवी की सबसे बड़ी ताकत उसकी सोच है। वह रिश्तों में पारदर्शिता चाहती है, बराबरी का अधिकार मांगती है, और यह मानती है कि प्यार या शादी में किसी एक पक्ष को ही सब कुछ जानने या तय करने का हक नहीं हो सकता। शो से जुड़ाव को लेकर श्रेया ने कहा, यह शो मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ अनुभव है। जयपुर मेरी जन्मभूमि है, और राजस्थान की संस्कृति, बोली और माहौल से मैं बचपन से जुड़ी हुई हूं। यही वजह है कि वैष्णवी का किरदार मेरे लिए बिल्कुल भी बनावटी नहीं लगता। यह किरदार मेरे अंदर सहज रूप से भीतर से निकलकर आता है। मैं अपने किरदार को जीती हूं।

श्रेया ने करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने मुंबई में आने का फैसला अचानक नहीं लिया और न ही ये पहले से की गई प्लानिंग थी। उन्होंने कहा, ''जब मैं इस इंडस्ट्री में आई, तब मेरे साथ परिवार का पूरा सपोर्ट था। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे माता-पिता और परिवार का समर्थन मिला, जो आज मेरी सबसे बड़ी ताकत है। शुरुआती दौर में ऑडिशन, इंतजार और रिजेक्शन का सामना मैंने बहुत किया और ये सब किसी भी कलाकार के सफर का हिस्सा होते ही हैं। मैंने अपने करियर में काफी संघर्ष देखा है।'' करियर में आए पहले बड़े पड़ाव के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि उनके करियर में अहम मोड़ तब आया, जब उन्हें शो 'उड़ारिया' में लीड रोल निभाने का मौका मिला। यह अनुभव मेरे लिए आज भी खास है, क्योंकि पहली सफलता हमेशा आत्मविश्वास को नई दिशा देती है। इसके बाद धीरे-धीरे मैंने खुद को साबित किया और अब 'बींदणी' जैसे शो में एक मजबूत महिला किरदार के जरिए अपनी पहचान को और पुख्ता कर रही हूं। कैमरे के सामने अभिनय करने को लेकर श्रेया का मानना है कि कैमरे के सामने आत्मविश्वास समय और अनुभव से आता है, लेकिन हल्की घबराहट हमेशा रहती है। यही घबराहट कलाकार को सतर्क रखती है और हर सीन में बेहतर करने की प्रेरणा देती है। जब उनसे खुद को तीन शब्दों में बयां करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने खुद को मेहनती, संवेदनशील और दयालु इंसान के तौर पर बताया। फिटनेस के टिप्स देने के सवाल पर श्रेया ने कहा, मेरे लिए फिट रहने का मतलब है संतुलित खाना और रोजमर्रा की छोटी-छोटी आदतें, जैसे वॉक और योग करना। शरीर और मन दोनों का स्वस्थ रहना जरूरी है, खासकर इस इंडस्ट्री में जहां काम के घंटे लंबे और अनियमित होते हैं। इंटरव्यू के दौरान श्रेया ने बताया कि उन्हें स्पेस और एस्ट्रोनॉमी जैसे विषयों में गहरी रुचि है। खाली समय में वह इन विषयों पर पढ़ना पसंद करती हैं। अभिनय की प्रेरणा की बात करें तो श्रेया उन कलाकारों से प्रभावित हैं जिनकी एक्टिंग में गहराई और विविधता दिखती है। वह मानती हैं कि अच्छे कलाकार को देखकर सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

'द केरल स्टोरी 2' के समर्थन में उतरी भाजपा, नेता बोले-फिल्म को राजनीतिक चश्मे से न देखें

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2गोज बियॉन्ड' को लेकर जहां एक तरफ सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस बीच भाजपा नेताओं ने फिल्म का विरोध करने वालों पर निशाना साधा और कहा है कि फिल्म को राजनीतिक चश्मे के बजाय, अभिव्यक्ति की आजादी और सच्चाई के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने से बात करते हुए कहा, चुनाव से ठीक तीस दिन पहले मुख्यमंत्री एक तरह का सर्कस खड़ा करना चाहते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि वे मुस्लिम हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत का एक संविधान है और हर नागरिक को अपनी बात कहने और अपनी कहानी रखने का अधिकार है।

किसी फिल्म को केवल इसलिए विवादों में घसीटना कि वह असहज सवाल उठाती है, लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा, भारत में किसी न किसी मुद्दे पर विवाद खड़ा करना अब एक

परंपरा बन चुकी है। सिनेमा समाज का आईना है और ये फिल्में अक्सर उन पहलुओं को सामने लाती हैं जो आमतौर पर दबे रह जाते हैं। किसी भी फिल्म के कंटेंट को परखने का काम सेंसर बोर्ड का है और जब बोर्ड कोई फैसला लेता है, तो सभी को उसका सम्मान करना चाहिए।

झारखंड की राजधानी रांची से भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा, ''केरल से लगातार ऐसी खबरें सामने आती रही हैं, जिनमें हिंदू और ईसाई लड़कियों को निशाना बनाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने के आरोप लगते रहे हैं। मेरा मानना है कि अगर फिल्मों के जरिए इन घटनाओं को दिखाया जा रहा है तो उसका विरोध क्यों हो रहा है? केरल में भाजपा और आरएसएस लंबे समय से इन मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं, और जो लोग फिल्म का विरोध कर रहे हैं, वे कहीं न कहीं इस पूरी प्रक्रिया में संलिप्त हो सकते हैं।''तेलंगाना से भाजपा सांसद नरेश बंसल ने भी फिल्म का समर्थन करते हुए कहा, यह सत्य घटनाओं पर आधारित है। केरल में जिस तरह की घटनाएं सामने आई हैं, उन्हें समाज को समझना चाहिए। अगर फिल्म किसी सच्चाई को उजागर कर रही है तो उसे देखने और समझने की जरूरत है।'' जम्मू-कश्मीर में भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने कहा, ''फिल्मों को बड़े नजरिए से देखा जाना चाहिए। फिल्म बनाना, उसे रिलीज करना और जनता तक पहुंचाना प्रोड्यूसर और डायरेक्टर का काम है। अगर कोई फिल्म सच्चाई दिखाने का दावा करती है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, न कि उसे गलत तरीके से पेश कर राजनीतिक रंग दिया जाए।'' वहीं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील कुमार शर्मा ने कहा, ''केरल में धर्मांतरण से जुड़ी गतिविधियों को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। सनातन धर्म समाज की रक्षा करना उसका मूल कर्तव्य है।

फिल्म को सीधे भाजपा से जोड़ना सही नहीं है और पार्टी का इससे कोई औपचारिक संबंध नहीं है।''उत्तर प्रदेश के लखनऊ से मंत्री ओपी राजभर ने कहा, ''फिल्म कोई सरकारी संस्था नहीं बनाती, बल्कि यह फिल्म इंडस्ट्री का विषय है। सेंसर बोर्ड पहले ही कंटेंट की समीक्षा करता है और अगर उसके बाद भी किसी वर्ग को आपत्ति होती है तो नियमों के तहत विवादित हिस्सों में बदलाव किया जा सकता है।''

उद्घाट समारोह का एक दृश्य

मिलान-2026 में सांस्कृतिक उत्सवों के पीछे टीम वर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कट्टनकुलथुर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) ने 19 फरवरी को अपने कट्टनकुलथुर परिसर में भव्यता और उत्साह के साथ अपने प्रमुख राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक उत्सव, मिलान 2026 का उद्घाटन किया। अपने 18वें संस्करण के साथ, मिलान ने भारत के सबसे बड़े छात्र-संचालित सांस्कृतिक उत्सवों में से एक के रूप में अपनी विरासत को बरकरार रखा है, जो प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विविधता को एक जीवंत मंच पर एक साथ लाता है, क्योंकि एसआरएमआईएसटी शैक्षणिक उत्कृष्टता और परिवर्तनकारी विरासत के अपने 40वें वर्ष में गर्व से आगे बढ़ रहा है।

भारतीय मैक्सिमलिज़्म की थीम के तहत आयोजित मिलान 2026 में 28 राज्यों और 60 से अधिक देशों के 350 कॉलेजों के 60,000 से अधिक छात्रों की जबरदस्त भागीदारी रही है, जो युवाओं, कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के एक सच्चे वैश्विक उत्सव के रूप में इसकी प्रतिष्ठा को मजबूत करती है।

उद्घाटन समारोह में लोकप्रिय अभिनेत्री डॉ. श्रीलीला ने शिरकत की। उन्होंने मिलान के विशाल स्वरूप, समावेशिता और जीवंत भावना की सराहना की। उद्घाटन समारोह में पद्मा प्रिया रवि; मणिमंगई सत्यानारायणन; प्रो. सी. मुथमिज़्चेलवन, कुलपति, एसआरएमआईएसटी; डॉ. एस. पोन्नुसामी, रजिस्ट्रार, एसआरएमआईएसटी; और डॉ. निशा अशोकन, निदेशक, छात्र मामलों का निदेशालय, एसआरएमआईएसटी सहित कई विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एसआरएम ग्रुप के संस्थापक चांसलर डॉ. टीआर पारिवेंधर का कहना है कि एसआरएम में, हम मानते हैं कि शिक्षा कक्षाओं तक ही सीमित नहीं है। मिलान जैसे प्लेटफॉर्म छात्रों को अपनी रचनात्मक क्षमता का पता लगाने, टीम-निर्माण कौशल को मजबूत करने, अपने विचारों को क्रियान्वयन के माध्यम से वास्तविकता में बदलने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार आत्मविश्वासी नेताओं के रूप में विकसित होने में सक्षम बनाते हैं - जो वास्तव में एसआरएम के मार्गदर्शक आदर्श वाक्य को दर्शाता है: 'सीखो। छलांग लगाओ। नेतृत्व करो।'

मिथुन ने अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले लाइव परफॉर्मेंस से समां बांध दिया, जो चेन्नई में उनका पहला कॉन्सर्ट था। 21 फरवरी को डायनामिक इंडी बैंड ऑफिस गाना और डीजे वियोला द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी। वहीं रविवार 22 फरवरी को इसका समापन होगा। जिसमें अभिनेत्री अनिशमा अनिलकुमार मुख्य अतिथि होंगी।

ईएसआईसी की स्थापना के 75वें वर्ष के मौके पर

स्पेशल सेवा पखवाड़ा का आयोजन 24 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एम्प्लॉई स्टेट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (ईएसआईसी) अपने 75वें स्थापना दिवस के मौके पर 24 फरवरी से 10 मार्च तक पूरे देश में स्पेशल सेवा पखवाड़े का आयोजन किया गया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य सर्विस डिलीवरी को और मज़बूत करना, इंश्योर्ड वर्कर और एम्प्लॉयर तक पहुंच बढ़ाना और एक्ख स्कीम के फ़ायदों के बारे में ज़्यादा जागरूकता बढ़ाना है।

इन सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर, ईएसआईसी रीजनल ऑफिस, चेन्नई इंश्योर्ड लोगों, उनके डिपेंडेंट, एम्प्लॉयर और दूसरे स्टेकहोल्डर को फ़ायदा पहुंचाने के लिए कई टारगेटेड प्रोग्राम और स्पेशल ड्राइव ऑर्गनाइज़ करेगा।

इस दौरान रीजनल कार्यालय में एम्प्लॉयर एसोसिएशन और ट्रेड यूनियन के साथ समन्वय के लिए सेमिनार और जागरूकता के कार्यक्रम होंगे। शिकायत सुलझाने और सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने के लिए एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन के साथ मिलकर इंश्योर्ड वर्कर्स और उनके डिपेंडेंट्स के लिए सुविधा समागम और निधि आपके निकट 2.0।

समकालीन दृश्य कलाकार आशिमा मेहरोत्रा की कृतियाँ की द्विवार्षिक प्रदर्शनी 28 तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

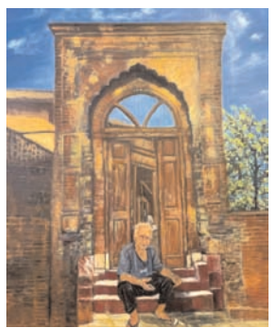

चेन्नई। चेन्नई द्विवार्षिक प्रदर्शनी का छठा संस्करण, जिसका शीर्षक 'कन्वर्जेंस' है, का उद्घाटन 20 फरवरी को ललित कला अकादमी क्षेत्रीय केंद्र में इनको सेंटर के तत्वावधान में और के-आर्ट इंटरनेशनल एक्सचेंज एसोसिएशन के सहयोग से किया गया। चयनित कलाकारों में समकालीन भारतीय दृश्य कलाकार आशिमा मेहरोत्रा भी शामिल हैं, जिन्होंने दो पेंटिंग 'देहलीज़-2' और 'लिविंग ऑन द ब्रिंक' - प्रदर्शित की हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी कलात्मक उपस्थिति को और मजबूत करती हैं। यह प्रदर्शनी 28 फरवरी तक जनता के लिए खुली रहेगी। यह प्रस्तुति दक्षिण कोरिया के बेक्सको में आयोजित बुसान अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में उनकी भागीदारी के बाद हो रही है, जहां उनकी दो पेंटिंग पहले ही प्रदर्शित की जा चुकी हैं। स्मृति, जीवन के अनुभवों और विकसित होती पहचान पर आधारित, वीर मुंशी के मार्गदर्शन में आकारित, मेहरोत्रा की अधिकांशतः स्व-शिक्षित कला शैली अक्सर वास्तुशिल्पीय स्थानों को मनोवैज्ञानिक परिदृश्यों में रूपांतरित करती है।

नई दिल्ली में रहने वाली मेहरोत्रा अपने पेशे और रचनात्मक खोज के अनूठे संगम को कायम रखती हैं। वर्तमान में रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक/विरासत के रूप में कार्यरत, विरासत संरक्षण और दृश्य कला में उनका दोहरा योगदान सार्वजनिक सेवा और कलात्मक अभिव्यक्ति के बीच एक सार्थक संवाद को दर्शाता है। उनकी चिंतनशील स्टूडियो कला, तेल, चारकोल, ऐक्रेलिक और एनकॉस्टिक रंगों में आकृतियों और अमूर्तताओं के बीच सहजता से प्रवाहित होती है, जिससे परतदार चमकदार सतहें बनती हैं जो नाजुकता और मजबूती को समाहित करती हैं। उनकी रचनाएँ अक्सर आंतरिक भावनात्मक परिदृश्यों - लचीलापन, मौन और विकास - का अन्वेषण करती हैं, व्यक्तिगत अनुभवों को सार्वभौमिक कथाओं में रूपांतरित करती हैं। उनकी भावपूर्ण कृति 'लापता लेडीज़' को पहले ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए चुना गया था, जबकि उनकी पेंटिंग 'मूव ऑन' को बॉम्बे आर्ट सोसाइटी की अखिल भारतीय वार्षिक कला प्रदर्शनी में पहचान मिली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कार्यशाला

बेंगलूरु के कर्नाटक स्टेट प्राइवेट स्कूल व्हीकल ड्राइवर यूनियन द्वारा शेषाद्रीपुरम स्थित गुंडूराव ऑडिटोरियम में 'वाहनचालक समावेश' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ सीएन अश्वथनारायण, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, पूर्व पार्षद एच. रविंद्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया ।

चिनाब नदी पर सबसे ऊंचा रेल पुल बनने में साइरस मिस्त्री के भरोसे ने निभाई बड़ी भूमिका

नई दिल्ली/भाषा

जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल आज भारतीय इंजीनियरिंग की एक मिसाल है लेकिन साल 2008 के आसपास एक वक्त ऐसा भी आया था, जब इस परियोजना का भविष्य अधर में लटक गया था। उस मुश्किल वक्त में दिवंगत साइरस मिस्त्री ने वित्तीय नुकसान की आशंका के बावजूद इस परियोजना को बीच में छोड़ने से साफ इनकार कर दिया था। एफकांस इन्फास्ट्रक्चर लिमिटेड के कार्यकारी चेयरमैन कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम ने इस ऐतिहासिक पुल के 20 साल लंबे सफर को याद करते हुए 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में उस घटना का ब्योरा दिया जब एक कानूनी चुनौती और वैकल्पिक मार्ग की तलाश के कारण रेलवे बोर्ड ने इस ऊंचे रेल पुल के निर्माण का काम रोक दिया था।

शापूरजी पलोनजी समूह से जुड़ी कंपनी एफकांस इन्फ्रास्ट्रक्चर को वर्ष 2004 में इस रेलवे पुल के निर्माण का ठेका मिला था। साइरस मिस्त्री उस समय एफकांस के निदेशक मंडल में शामिल थे।सुब्रमण्यम ने कहा, रेलवे बोर्ड ने कानूनी चुनौती की वजह से 90 दिनों से अधिक समय तक काम रोक दिया था। अनुबंध के मुताबिक, हमारे पास परियोजना से बाहर निकलने का कानूनी विकल्प था। रेलवे बोर्ड के तत्कालीन सदस्य (इंजीनियरिंग) ने मुझसे कहा भी था कि यदि आप चाहें तो यह आपके पास हटने का मौका है।

हालांकि सुब्रमण्यम ने इस पर तुरंत फैसला लेने के बजाय तत्कालीन कंपनी चेयरमैन साइरस मिस्त्री के साथ लंबी चर्चा की। सुब्रमण्यम ने कहा, हमने लंबी बहस की। हम जानते थे कि इसमें अतिरिक्त पैसा खर्च होगा और घाटा भी हो सकता है। लेकिन हम दोनों इस बात पर सहमत थे कि अगर हम हट गए, तो इस जटिल परियोजना को पूरा करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। साइरस ने मुझसे पूछा 'क्या तुम्हें भरोसा है?' मैंने कहा 'बिल्कुल, हम इसे पूरा करेंगे'। एफकांस प्रमुख ने कहा कि जहां दुनिया को लग रहा था कि इतने मुश्किल पहाड़ी इलाके में इस रेल पुल को बनाना लगभग नामुमकिन है, वहीं हमने इसे एक अवसर के रूप में देखा ताकि कंपनी खुद को इंजीनियरिंग क्षेत्र में अग्रणी साबित कर सके।

मैथिल परिवार का होली मिलन 8 मार्च को, हुई बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को एक निजी आवास पर मैथिल परिवार चेन्नई ने एक बैठक आयोजित की इस बैठक में मैथिल परिवार के पदाधिकारियों व सदस्यों ने हिस्सा लिया एवं आगामी आयोजन के विचार विमर्श किया गया। आगामी 8 मार्च को डीजी वैष्णव कॉलेज सभागार में मैथिल परिवार के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मिथिलांचल के लोक गायक विकास झा एवं रचना झा एवं अन्य कलाकार शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम को भव्य एवं दिव्य बनाने हेतु मैथिल परिवार के अधिकारियों एवं सदस्यगण लगे हुए हैं, चेन्नई समेत आसपास के लोगों के बीच आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मैथिल परिवार एक ऐसी समाजिक संस्था है जो चेन्नई समेत तमिलनाडु के अलग-अलग इलाकों में निवास कर रहे मिथिलांचल के खोजबीन करते हैं तथा किसी भी विषम परिस्थितियों में लोगों को मदद के लिए तत्पर रहते हैं।

लॉंच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निसान कार ने 5.65 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर बिल्कुल नई ग्रेविट लॉन्च करके भारत में एक साहसिक पुनरुत्थान का संकेत दिया है। ऑटोरेली निसान चेन्नई में आयोजित एक भव्य लॉन्च इवेंट में निसान ने अपनी बहुप्रतीक्षित ऑल-न्यू ग्रेविट का अनावरण किया। इस वाहन को मुख्य अतिथि, सीरियल अभिनेत्री सुश्री फरीना आजाद, अभिनेत्री रहमा, अभिनेत्री सुभा, एचडीएफसी बैंक ऑटो लोन के उपाध्यक्ष पीएम सेंथिलनाथन ने निसान इंडिया के क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक आनंद बाबू, ऑटोरेली निसान की सीईओ नेहा चोपड़ा नाहर और विशिष्ट अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों और ऑटोमोबाइल प्रेमियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से लॉन्च किया।

केएएस अधिकारी को निशाना बनाकर फर्जी दस्तावेज और मनगढ़ंत ऑडियो क्लिप प्रसारित करने का आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा से जुड़े साइबर मानहानि मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में पुलिस ने शनिवार को एक व्यक्ति को वरिष्ठ केएएस अधिकारी और पूर्व मूडा आयुक्त डी बी नटेश को निशाना बनाते हुए फर्जी दस्तावेज और मनगढ़ंत ऑडियो क्लिप प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी विनोद ने शिकायतकर्ता के साथ हुए कुछ लेन-देन को लेकर उत्पन्न शत्रुता के कारण यह कृत्य किया।

पुलिस विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह मामला 18 फरवरी को बेंगलुरु शहर के साइबर अपराध थाने में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के पूर्व आयुक्त नटेश द्वारा दायर शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि विनोद और शिकायतकर्ता के बीच कुछ लेन-देन को लेकर उत्पन्न शत्रुता के कारण उसने कृष्णा से संपर्क किया और कथित तौर पर व्यक्तिगत लाभ के लिए बदला लेने के इरादे से झूठी जानकारी प्रदान की। अपनी शिकायत में नटेश ने आरोप लगाया कि मैसूरु निवासी कृष्णा उन्हें बदनाम करने की नीयत से फर्जी दस्तावेज, छेड़छाड़ की गई तस्वीरें और एक मनगढ़ंत ऑडियो क्लिप तैयार कर अपने फेसबुक खाते के माध्यम से सोशल मीडिया पर अपलोड कर उन्हें निशाना बना रहा था और परेशान कर रहा था। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच तदनुसार शुरू कर दी गई है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि कृष्णा ने प्राप्त जानकारी की प्रामाणिकता की पुष्टि किए बिना शिकायतकर्ता की प्रतिष्ठा को धूमिल करने और नुकसान पहुंचाने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से कथित तौर पर इसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। इस संबंध में मैसूरु के बोगड़ी निवासी एन विनोद को एक नोटिस जारी किया गया, जिसमें उसे पुलिस के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद और उसके खिलाफ मिले सबूतों को देखते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। कृष्णा को भी इस अपराध में उसकी भूमिका के संबंध में पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया गया है और जांच जारी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुव्रत विश्व भारती की बैठक

जैन विश्व भारती, लाडनूं में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के पदाधिकारियों की अणुव्रत के आगामी राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की विस्तृत एवं उद्देश्यपरक रूपरेखा तैयार करने के लिए बैठक हुई। इस अवसर पर सोसाइटी के उपाध्यक्ष व बेंगलूरु निवासी कैलाश बोराणा तथा संगठन मंत्री राजेश चावत ने आगामी आयोजनों की संपूर्ण रूपरेखा आचार्य श्री के समक्ष रखी। बोराणा ने जीवन विज्ञान के बारे में जानकारी दी। अणुव्रत क्रिएटिव कॉन्टेस्ट के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने सामाजिक प्रासंगिकता तथा राष्ट्रव्यापी सहभागिता के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

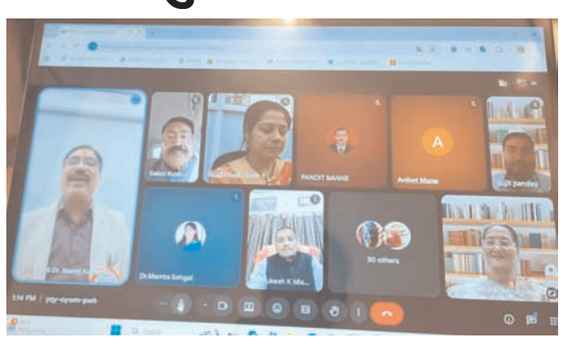

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग (अष्टछाप कवियों की काव्य परंपरा के संदर्भ में) के दूसरे दिन 20 फरवरी को शुभारंभ ईश्वर वंदना के साथ हुआ। हिंदी विभागाध्यक्ष शिफ्ट-2 डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी ने तृतीय सत्र के अध्यक्ष डॉ. जयशंकर बाबू, हिंदी विभागाध्यक्ष, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी, विषय विशेषज्ञ डॉ. विजया सिंह, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषभ देव शर्मा, हैदराबाद तथा श्री उमेश पाठक, पूर्व निदेशक तुलसी शोध संस्थान, सोरों सूकर क्षेत्र, उत्तर प्रदेश एवं महाविद्यालय के सचिव, प्राचार्य तथा समस्त पदाधिकारियों का औपचारिक स्वागत किया।

सभा में विभिन्न राज्यों से पधारे विभागाध्यक्षों, सहायक प्राध्यापकों, महाविद्यालय के पदाधिकारियों, आयोजन समिति, तकनीकी टीम, कार्यालय स्टाफ तथा उपस्थित छात्र-छात्राओं का भी हार्दिक अभिनंदन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. विजय सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य का दर्शन मानवीय करुणा, अनुग्रह और समन्वय की जीवंत परंपरा है। प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने महाविद्यालय की प्रबंध समिति तथा हिंदी विभाग के दोनों विभागाध्यक्षों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अनुग्रह-आधारित भक्ति मनुष्य को प्रेम, सृजनशीलता और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़ती है, जिसकी सौंदर्यपूर्ण और अनुभूतिमय अभिव्यक्ति अष्टछाप कवियों की काव्य-परंपरा में मिलती है।

प्रो. डॉ. उमेश पाठक ने नंददासजी के वंशजों की वंशावली पर प्रकाश डालते हुए महाप्रभु के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। इस संगोष्ठी में कुल पच्चीस प्रतिभागियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. जय शंकर बाबू ने महाप्रभु को ईश्वरावतार के रूप में स्मरण करते हुए उनके शिष्यों द्वारा प्रतिपादित भक्तिप्रेम की विस्तार से व्याख्या की तथा सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए हिंदी विभाग को सफल आयोजन हेतु साधुवाद दिया।

चतुर्थ सत्र ऑनलाइन दोपहर 12 बजे ईश्वर वंदना के साथ आरंभ हुआ। सत्र की अध्यक्षता प्रो. एस. निर्मला मौर्य, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. साकेत कुशवाहा, कुलपति, लद्दाख विश्वविद्यालय,लद्दाख उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. राजशेखर, हिंदी विभागाध्यक्ष, मॉरीशस तथा प्रो. चंद्रशेखर सिंह, पूर्व निदेशक, एवं विभागाध्यक्ष, समाज कार्य, काशी विद्यापीठ, वाराणसी उपस्थित रहे। विशेष आमंत्रित के रूप में प्रो. मुकेश मिश्रा प्राचार्य बस्ती, उत्तर प्रदेश तथा प्रो. डॉ. आलोक पांडे, हैदराबाद सम्मिलित हुए। सभी अतिथियों एवं प्रपत्र-वाचकों का स्वागत डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी, विभागाध्यक्ष (शिफ्ट-2) एवं संयोजक, हिंदी विभाग ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दसवीं के विद्यार्थियों को दी विदाई व शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के शांतिनिकेतन आंग्ल माध्यम स्कूल में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 की कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए 'सायोनारा' विदाई समारोह शनिवार को विद्यालय के सभागार में हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। मंडल के अध्यक्ष भंवरलाल जैन की अध्यक्षता में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ग्लोबल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्विनीकुमार वी. कोटी उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। उन्होंने माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करने तथा जीवन में उच्च स्थान प्राप्त करने की शुभकामनाएँ दीं। उपाध्यक्ष महेंद्र पालगोता ने विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार अपनाने, दृढ़ संकल्प के साथ परिश्रम करने और संस्था का नाम रोशन करने का संदेश दिया। महावीर जैन संघ के निदेशक एवं प्रशासक बसवराज शेट्टर ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।विद्यालय की प्रधानाचार्या एम विजयलक्ष्मी ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम का संचालन आशा शिक्षिका निशाद ने किया। कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने दसवीं के विद्यार्थियों के विदाई समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा दसवीं के विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय जीवन की मधुर स्मृतियाँ साझा कीं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.